डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 24 मूल्य: 5 रुपए पृष्ठ : 8 R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

शिखर दृष्टि जीवन की... साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या RAJHIN16831/20/01/2013-TC

जयपुर » मंगलवार, 14 दिसम्बर, 2021

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर हेरिटेज निगम की करोड़ो की ज़मीन कूड़े में

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज की लचर, ढीली कार्यशैली व कार्यक्षमता का नमूना है यह मामला। शेखां मोहल्ला, खंडार का रास्ता, चार दरवाज़ा, राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर जयपुर के सामने पड़ी करोड़ों की जमीन 'बाड़ियों का बाग़' जो कि बाड़ियों के मंदिर की ज़मीन है और जिस पर लोहे का मगर सर झुकाए एक हेरिटज द्वारा लगाया बोर्ड भी लगा है।जिस पर हेरिटेज प्रोप्टर्री भी लिखा है,मगर उसका काम खेत में खड़े बजुके जितना ही है। क्योंकि अतिक्रमण कर रही चिड़ियों को वह भी नहीं उड़ा सकता बजुके की तरह। और अब सच यह है कि ज़मीन धीरे-धीरे खुर्दबुर्द होने की स्थिति में है। कूड़े के ढेर में पड़ी यह करोड़ों की ज़मीन समय के साथ अतिक्रमण का शिकार होती जा रही है। वहां पर गाय, बैल, भैंस की बाड़ी बनने लगी है। लोहे की चादर लगाकर अस्थायी रूप रहने की कवायद शुरू हो चुकी है। जो आने वाले समय अतिक्रमण का रूप ले लगी। नगर निगम हेरिटेज की आँखें बंद हैं। करोड़ों की जमीन कूड़े और कौड़ियों के दाम जाने की स्थिति पर आ चुकी है। आख़िर इस ज़मीन को नज़रंदाज़ क्यों किया जा रहा है? अगर समय रहते इस भूमि का सदुपयोग निगम ने नहीं किया तो सरकारी ज़मीन हेरिटज नगर निगम की लापरवाही से करोड़ों से कौड़ियों में बदल जाएगी।

ख़बर-बेख़बर

जनता लैंस लेकर ढूँढे या चुम्बक लेकर दौड़े हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर के पीछे एक अदद मुलाक़ात को?

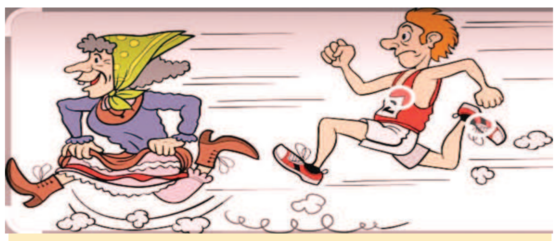

जिस राज्य का मुख्यमंत्री 20 घण्टे काम करता हो उसी राज्य की राजधानी की हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर निगम से घण्टों ग़ायब रहतीं हैं। उनको मिली वह सीट जिसे पाने के लिए उन्होंने न जाने कितने जतन किये होंगे वह ख़ाली पड़ी ख़ाक छानती है निगम की।

क्योंकि---

- हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर मात्र 1या 2 घण्टे के नियम के साथ निगम आती हैं।
- मेयर के बगल वाले कमरे में मेयर के पति व उनके दोस्तों का जमावड़ा रहता है और आंगतुक गैलरी में बैठे रहते हैं मेयर से मिलने के इंतजार में।
- 'प्रशासन शहरों के संग' की सफलता के लिए उनकी कोई विशेष रणनीति अभी तक भी सामने नहीं आयी।
- निगम में आगंतुक या ज़रूरतमंद प्रतीक्षारत होकर मायूस होकर लौट जाया करते हैं।
- ग़लती से और संयोग से मुलाक़ात हो भी जाये तो मेयर साहिबा के पास फालतू वक़्त नहीं ज़रूरतमंद जनता से मिलने का।
- 'हमारे आगे से आगे प्रस्तावित कार्यक्रम रहते हैं!' अक्सर यह उनका जनता को तुनकता हुआ, असभ्य और रटारटाया जवाब होता है और कभी-कभी अति होने पर उन्हीं के द्वारा कहा जाता है कि 'घर पर आ जाओ!'
- घर पर ग़लती से कोई मज़बूर पहुँच गया तो जवाब गार्ड देता है कि निगम में ही मिलना मेडम से,मेडम यहाँ नहीं मिलती।

अब राज्य सरकार ही जवाब दे कि जनता लैंस लेकर ढूँढे या चुम्बक लेकर दौड़े मेयर साहिबा के पीछे एक अदद मुलाक़ात करने को ? या चुनावी मौसम का इंतज़ार करें कि बहारें फिर तो आएंगी!!

देश को आजादी दिलाने में महत्त्वपूर्ण थी 'पथिक' की भूमिका: कला-संस्कृति मंत्री

'राजस्थान का स्वतंत्रता संग्राम और विजय सिंह पथिक' पुस्तक का विमोचन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने बुधवार को बीकानेर जिले में 'राजस्थान का स्वतंत्रता संग्राम और विजय सिंह पथिक' पुस्तक का विमोचन किया।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में राजस्थान राज्य अभिलेखागार परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डॉ. कल्ला ने कहा कि देश को आजादी दिलाने में विजय सिंह पथिक की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण रही। उनके समग्र व्यक्तित्व-तित्व पर मूल दस्तावेजों पर आधारित यह पुस्तक भावी पीढ़ी के लिए फायदेमंद साबित होगी। उन्होंने अभिलेखागार द्वारा देश के महान् स्वतंत्रता सेनानियों की संघर्ष गाथा को जन-जन तक पहुंचाने के कार्यों की सराहना की।

कला-संस्कृति मंत्री ने राजस्थानी भाषा को विश्व की समृद्धतम भाषाओं में से एक बताया तथा कहा कि इसमें प्रचुर साहित्य विद्यमान है। दुनिया भर में दस करोड़ से अधिक लोग राजस्थानी भाषा बोलते और समझते हैं। राजस्थान की विधानसभा द्वारा इसे संविधान की आठवीं अनुसूचित में शामिल करवाने का प्रस्ताव वर्षों पूर्व पारित करवाया जा चुका है। केन्द्र सरकार द्वारा शीघ्र ही इसे संवैधानिक मान्यता देनी चाहिए। उन्होंने राजस्थानी फिल्मों के प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

पुस्तक के सम्पादक तथा राजस्थान राज्य अभिलेखागार निदेशक डॉ. महेन्द्र खड़गावत ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 1982 में ओरल हिस्ट्री परियोजना के तहत उस दौर के जीवित स्वतंत्रता सेनानियों के संस्मरणों को ध्वनिद्ध करने का कार्य दिया, जिसका प्रभावी क्रियान्वयन किया गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान और आसपास के राज्यों द्वारा विजय सिंह पथिक के मूल अभिलेखों पर आधारित पुस्तक की आवश्यकता महसूस की गई थी। इसके मद्देनजर अभिलेखागार द्वारा यह पुस्तक प्रकाशित की गई है।

असभ्यता के चरम पर हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर के तेवर

राजधानी में राज कर रहीं मुनेश गुर्जर मेयर हेरिटेज पर सत्ता का ये कैसा नशा है कि कोई नियम, कानून, कायदे उनके लिए कोई मायने नहीं रखते? उनके चार पहिया वाहन में लगा तीव्र ध्वनि का हूटर क्या यातायात के नियमों का मख़ौल नहीं बनाता?

'नो हॉन्किंग' अभियान व जयपुर ट्रैफिक पुलिस का 'शोर ना करें' अभियान मेयर मुनेश के हूटर के शोर के आगे मौन क्यों?

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। बेवजह हॉर्न या सायरन बजाना असभ्यता की निशानी कहा जाता है। अभी हाल में यह असभ्य काम कर रहीं हैं हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर। निगम में या कहीं भी आते-जाते जब उनके वाहन का हूटर इतना तेज़ बजता है कि आसपास का वातावरण मौन हो जाता है। जैसे कोई महारानी का आगमन या गमन हुआ हो।उनके इस असभ्य और तानाशाही व्यवहार से पल भर को गुलाम भारत की तस्वीर सा अहसास हो उठता है निगम में चारों ओर। क्योंकि कोई मुँह नहीं खोलता सब ख़ामोशी ओढ़े हैं।

यातायात नियमों के मुताबिक वाहनों में प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 190(2) के अंतर्गत कार्रवाई का प्रावधान है। इसके लिए 1000 रुपये तक का चालान काटने का प्रावधान है। मगर क्या शहर की प्रथम नागरिक यानी महापौर इस नियम के दायरे में नहीं आती?

केंद्र सरकार के Noise Pollution Regulation Control Rules 2020 के तहत ध्वनि प्रदूषण का चालान कटने पर 1 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। इस मामले में 5 साल तक की सज़ा भी हो सकती है। अदालत इससे अधिक भी जुर्माना कर सकती है।

हूटर या सायरन का प्रयोग फायर ब्रिगेड वाहन और एंबुलेंस ही कर सकते हैं लेकिन इन्हें भी हर समय सायरन और हूटर बजाने का अधिकार नहीं होता। एंबुलेंस में गंभीर मरीज होने या गम्भीर मरीज़ को लाने के लिए ही सायरन या हूटर का इस्तेमाल किया जा सकता है।इसी तरह फायर बिग्रेड से कहीं आग लगने की सूचना पर जाते समय ही सायरन और हूटर बजाया जा सकता है। यहाँ तक कि पुलिस को भी हर समय इसके इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है।पुलिस केवल बदमाशों का पीछा करते समय या फिर आकस्मिक, आपातकालीन परिस्थितियों में ही सायरन बजा सकती है।

राजधानी में 'नो हॉन्किंग' अभियान पुलिस महानिदेशक एम एल लाठर की प्रेरणा से शुरू किया गया था और पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने इसकी कार्य योजना तैयार की थी। इसमें लोगों को जागरूक किया जाना निश्चित हुआ कि लोग हॉर्न का अनावश्यक प्रयोग नहीं करें । इस अभियान के तहत ध्वनि प्रदूषण से बचाव के मैसेज फैलाना है और समझाइश करनी है। इसके अलावा जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने 'शोर ना करें' नाम से एक अभियान की शुरुआत इसी वर्ष सितम्बर में की जिसके तहत भी समझाइश फिर चलान का नियम बनाया गया है। यहाँ तक कि ध्वनि प्रदूषण को मापने के भी नियम निश्चित हैं।रिहायशी इलाकों में दिन में 55 और रात में 45 डेसीबल से ज़्यादा की आवाज़ शोर के दायरे में, औद्योगिक क्षेत्र में दिन के समय 75 और रात में 70 डेसीबल से ज्यादा की आवाज को ध्वनि प्रदूषण के दायरे में,साइलेंस ज़ोन में दिन में 50 और रात में 40 डेसीबल से ज्यादा आवाज़ ध्वनि प्रदूषण के दायरे में आते हैं ।और इसी के आधार पर चालान बनाये जाने का प्रावधान होता है।ऐसे में मुनेश गुर्जर मेयर हेरिटेज नगर निगम का ये मनमाना,तानाशाह व्यवहार राज्य की किस स्थिति का वर्णन करता है ज़रा ग़ौर करें।

पांच शहरों में 267 दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग और कैलीपर का होगा वितरण

जयपुर। नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगों के लिए 5 शहरों में निशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर लगाने जा रहा है। जहां दिव्यांगों को मुफ्त अंग, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल और बैसाखी बांटी जाएगी। नए साल के मौके पर ये कैंप लुधियाना, सिरोही, अलीगढ़, बगोदरा और आगरा में लगाए जाएंगे। जहां 267 दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग और कैलीपर बांटे जाएंगे। शिविर का आयोजन दिव्यांगों के लिए समानता, सुगमता और समान अवसर उपलब्ध कराने के संदेश के साथ किया गया।

संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि पूरे भारत में दिव्यांगों के लिए निशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों की जानकारी हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर नियमित रूप से जारी की जाती है। इसलिए सभी दिव्यांगजनों को आमंत्रित किया जाता है कि वे दिव्यांगों को सशक्त बनाने के अभियान में हमारे साथ आएं और सहयोग करें। नारायण सेवा संस्थान ने लगभग 2,74,603 व्हीलचेयर, 2,64,422 ट्राइसाइकिल, 2,97,789 बैसाखी, 3,61,997 और 1,72,000 कंबल जरूरतमंद और वंचित व्यक्तियों के बीच वितरित किए हैं।

दिव्यांग बालक-बालिकाओं के कल्याण हेतु हो प्रभावी प्रयासः राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने दिव्यांग बालक-बालिकाओं के कल्याण के लिए सभी स्तरों पर प्रभावी प्रयास कर उन्हें लाभान्वित करने का आह्वान किया है। उन्होंने ऐसे बच्चों की पढ़ाई के लिए विशेष शिक्षकों की समुचित व्यवस्था करने और स्वावलम्बन के लिए तकनीकी शिक्षा से जुड़े अधिकाधिक अवसर प्रदान किए जाने पर भी प्रभावी प्रयास किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि मूक-बधिर बच्चों को यदि समुचित सुविधाएं समयबद्ध प्रदान की जाती है तो वे सामान्य से अधिक सफल होकर दिखला सकते हैं। मिश्र से यहाँ राजभवन में मूक एवं अन्य दिव्यांग छात्र-छात्राओं के प्रतिनिधिमंडल ने अभिव्यक्ति वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष संगीता गौड़ के नेतृत्व में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल से राजधानी जयपुर में आवासीय व्यावसायिक केन्द्र स्थापित करने, पोलिटेक्निक पढ़ाई से जुड़ी सुविधाओं के विकास के साथ ही मूक-बधिर तथा अन्य दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षकों की व्यवस्था किए जाने आदि के संबंध में मांगपत्र भी दिया। राज्यपाल ने मांगपत्र पर समुचित कार्यवाही करने के लिए उसे राज्य सरकार को त्वरित भेजे जाने के निर्देश भी मौके पर ही दिए।

पांच मंत्रियों के यहां आरएएस अफसरों की नियुक्ति

रघु शर्मा के विशिष्ठ सहायक रहे अफसर को मंत्री रमेश मीणा का एसए बनाया

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राज्य सरकार ने पांच मंत्रियों के यहां RAS ऑफिसर को विशिष्ठ सहायक (एसए) लगाया है। मंत्री विश्वेंद्र सिंह, रमेश मीणा, महेश जोशी, टीकाराम जुली और मुरारीलाल मीणा के विशिष्ठ सहायक लगाए गए हैं। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा के विशिष्ठ सहायक रहे महेंद्र शर्मा को अब ग्रामीण विकास मंत्री रमेश मीणा के यहां उसी पद पर लगाया है। कार्मिक विभाग ने देर रात 25 आरएएस अफसरों के तबादले किए। इस तबादला सूची में मंत्रियों के यहां एसए लगाए अफसर भी शामिल हैं। पशुपालन विभाग में उपसचिव लक्ष्मीकांत बालोत को कृषि विपणन मंत्री मुरारलाल मीणा का एसए बनाया है। उच्च शिक्षा विभाग में उपसचिव संजय शर्मा को पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह, जयपुर में एडीएम फोर्थ अशोक कमुार को जलदाय मंत्री महेश जोशी का एसए लगाा है। अलवर एडीएम राकेश कुमार को टीकाराम जुली का एसए लगाया है। जिन मंत्रियों के यहां एसए लगे हैं, उनमें से चार मंत्रिमंडल फेरबदल में नए बने हैं, जुली प्रमोट हुए हैं। अभी और भी मंत्रियों के यहां आरएएस अफसरों की एससए पद पर पोस्टिंग होना बाकी है।

हरीश चौधरी के एसए रहे अफसर को स्वास्थ्य विभाग में लगायाः पंजाब प्रभारी बनने के बाद राजस्व मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद हरीश चौधरी के स्टाफ में रहे अफसरों का अब तबादला किया है।

हरीश चौधरी के एसए रहे लालाराम गुगरवाल को नेशनल हेल्थ मिशन में प्रोजेक्ट डायरेक्टर के पद पर पोस्टिंग दी है। अब तक वे एपीओ थे।

मातादीन मीणा जयपुर के नए जिला आबकारी अधिकारी, कई अफसर इधर उधरः एपीओ चल रहे मातादीन मीणा को जयपुर के जिला आबकारी अधिकारी के पद पर पोस्टिंग दी है। जयपुर के जिला आबकारी अधिकारी पद से सुनील भाटी का तबादला डीआईजी स्टांप के पद पर किया है। शंकरलाल सैनी को जयपुर एडीएम दक्षिण से एडीएम फोर्थ के पद पर लगाया है। हनुमानमल ढाका को कृषि विपणन विभाग में अतिरिक्त निदेशक लगाया है। शिवप्रसाद सिंह को संयुक्त सचिव कार्मिक विभाग, जयनारायण मीणा को अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा, जयपुर, विष्णु कुमार गोयल को अतिरिक्त निदेशक एचसीएम रीपा, निमिषा गुप्ता को स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर पोस्टिंग दी है।

महाराणा प्रताप एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार का तबादलाः महाराणा प्रताप एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, उदयपुर की रजिस्ट्रार श्वेता फगेड़िया का तबादला राजसमंद जिला परिषद के एसीईओ पद पर किया हैं फिलहाल रजिस्ट्रार की पोस्ट खाली है। अनिल पालीवाल को उपसचिव, कृषि और पंचायतीराज विभाग,प्रिया बलराम शर्मा को उपसचिव कार्मिक विभाग,कश्मी कौर रान को उपसचिव पशुपालन विभाग, नितेंद्र पाल सिंह को उप संस्थापक अधिकारी विभागीय जांच, बलदेव प्रसाद शर्मा को उपनिदेशक अल्पसंख्यक मामलात विभाग, संजय कुमार को उच्च शिक्षा विभाग में उपसचिव लगाया है। महेंद्र प्रताप सिंह को विद्युत प्रसारण निगम में सचिव प्रशासन,नसीम खान को उपसचिव कृषि, हेमेंद्र नागर को एडीएम भू राजस्व जोधपुर लगाया है।

संपादकीय

न्यायपालिका की स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता बनाए रखते हुए न्यायिक नियुक्तियों का खोजा जा सकता है श्रेष्ठ मार्ग

भारतीय संवैधानिक व्यवस्था अद्वितीय है, जिसके विधायिका न्यायपालिका व कार्यपालिका जैसे तीन स्तंभ हैं। संविधान निर्माताओं ने शक्ति के पृथक्करण का सिद्धांत अपनाया है। इस सिद्धांत को उन्होंने नीति निर्देशक तत्वों में भी स्पष्ट किया है। सर्वोच्च न्यायालय की अपनी गरिमा है। वह संविधान का व्याख्याता और संरक्षक भी है। यह अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय से भी शक्तिशाली है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की अपीलीय अधिकारिता परिसंघीय संबंधों से उत्पन्न मामलों तक सीमित है, लेकिन हमारी न्यायपालिका ने अपना कार्यक्षेत्र बढ़ाया है।

जजों की नियुक्तियों के मसले पर राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग की बैठक में सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश नहीं गए। तब तक कोर्ट ने आयोग की विधिमान्यता को निरस्त नहीं किया था। संसद के दोनों सदनों व आधे से अधिक विधानमंडलों में उक्त आयोग से संबंधित 99वां संविधान संशोधन पारित किया गया था। तब यह भारत की विधि का भाग था। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने इसे संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध बताकर निरस्त कर दिया था। संविधान में मूल ढांचे का उल्लेख नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने आधारिक लक्षण या अपरिगणित मूल अधिकार आदि कई नवीन सिद्धांत प्रतिपादित किए। पता नहीं कि किन-किन क्षेत्रों में नए सिद्धांतों का विस्तार होगा। अंतिम निर्णय न्यायालय का है। संविधान संशोधन विधायिका का अधिकार है। विधायिका ने उसके सदुपयोग से नियुक्ति आयोग बनाया था। आखिरकार संवैधानिक विधि का निरसन विधायिका के क्षेत्रधिकार का अतिक्रमण क्यों नहीं है?

ताजा मसला विधायिका पर गंभीर टिप्पणी है। मुख्य

न्यायाधीश एनवी रमना ने संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा है कि विधायिका कानूनों के प्रभाव का आकलन नहीं करती, जो कभी-कभी बड़े मुद्दों की ओर ले जाते हैं। इससे न्यायपालिका पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है।' संविधान निर्माताओं ने स्वतंत्र विधायिका की व्यवस्था दी है। कानून बनाना विधायिका का काम है। विधायिका के सदस्य निर्वाचित जनप्रतिनिधि होते हैं। वे सरकार बनाते हैं। विधायिका मंत्रिपरिषद को जवाबदेह बनाती है। मंत्रिमंडल नीति निर्धारित करता है। विधायिका सदन में कार्यपालिका नीति की चर्चा करती है। विधि निर्माण की प्रक्रिया भी संविधान में सुस्पष्ट है। मंत्रिपरिषद विधि बनाने या संशोधन के लिए विधेयक लाती है। विधेयक में संबंधित विधि का विस्तृत औचित्य बताया जाता है। सदन में चर्चा होती है। यह कहना गलत है कि विधायिका कानून के प्रभाव का अध्ययन नहीं करती।

भारतीय विधायी संस्थाओं ने अनगिनत उपयोगी कानून बनाए हैं। वे 'कानून के प्रभावी आकलन' के बाद ही अधिनियमित हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के ही कई निर्णय विधि बन जाते हैं। उनके प्रभाव दूरगामी होते हैं। बहुधा न्यायालयों के निर्णयों से बनी विधि अव्यावहारिक भी होती है। दलबदल विरोधी कानून में सुनवाई से लेकर निर्णय के अधिकार संसद व विधानमंडल के अध्यक्ष/सभापतियों पर होते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसले में ऐसी सुनवाई के लिए तीन माह का समय निर्धारित किया है। न्यायालयों में तमाम मुकदमें लंबी अवधि तक चलते हैं। न्यायपालिका ने अपने लिए मुकदमों के निस्तारण की कोई अवधि क्यों नहीं बनाई? बंगाल हिंसा और शाहीन बाग जैसे कई मसले हैं। न्यायालयों से अतिरिक्त सक्रियता की अपेक्षा थी। कई बार न्यायमूर्ति सरकार या वादी-प्रतिवादी को फटकारते हैं। उससे कार्यपालिका के वरिष्ठ अधिकारी भी आहत महसूस करते हैं। संविधान दिवस पर आयोजित उसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने कहा, 'यह न्यायाधीशों का दायित्व है कि वे अदालत कक्षों में अपनी बात कहने में अत्यधिक सावधानी/विवेक का प्रयोग करें।

अविवेकी टिप्पणी भले ही भली मंशा से की गई हो, परंतु न्यायपालिका के महत्व को कम करने वाली संदिग्ध व्याख्याओं को जगह देती है।' राष्ट्रपति की यह बात बहुत महत्वपूर्ण है। अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने डेनिस बनाम अमेरिका मामले में अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश फ्रेंकफर्ट को उद्धृत किया है। फ्रेंकफर्ट ने कहा था, 'अदालतें प्रतिनिधि निकाय नहीं हैं। ये लोकतांत्रिक समाज का अच्छा प्रतिबिंब बनने के लिए डिजाइन नहीं की गईं।' न्यायपालिका की स्वतंत्रता अविनाशी है। इसका संरक्षण जरूरी है। राष्ट्रपति ने ठीक कहा है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता तब खतरे में पड़ जाती है जब अदालतें भावना संबंधी जुनून में झूल जाती हैं और प्रतिस्पर्धी राजनीतिक आर्थिक और सामाजिक दबाव के बीच चयन करने में प्राथमिक जिम्मेदारी लेना शुरू कर देती हैं।'

प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि तमाम लोग मानते हैं कि अदालतें कानून बनाती हैं। यह गलतफहमी है, लेकिन सही बात यही है कि न्यायालयों के निर्णयों से बहुधा कानून निकलते हैं। ऐतिहासिक केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में ही एक नई प्रस्थापना आई कि 'संविधान के कुछ आधारिक लक्षण हैं। यदि संविधान संशोधन अधिनियम संविधान की आधारिक संरचना या ढांचे को प्रभावित करने वाला है तो न्यायालय उसे शून्य घोषित करने का पात्र होगा।' वस्तुतः संविधान के आधारिक लक्षण का कोई उल्लेख संविधान में नहीं। संविधान सभा में भी ऐसे विषय पर किसी चर्चा का संदर्भ नहीं। आधारिक लक्षणों की अंतहीन सूची एक कल्पना जैसी है।

बोले फैंस, रिलेशनशिप में सच्चा नहीं आदमी

रणबीर ने आलिया के लहंगे को मारी लात

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं. लेकिन इस बीच दोनों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें रणबीर आलिया के लहंगे को लात मारते दिख रहे हैं. जिस पर एक्ट्रेस के फैंस ने रिएक्शन देते हुए आलिया को रणबीर से ब्रेकअप करने की सलाह दे डाली है.

ये वीडियो दिवाली के समय का है, जिस दौरान आलिया और रणबीर काली पूजन के लिए एक साथ स्पॉट किए गए थे. इसी दौरान रणबीर ने आलिया के साथ ऐसी हरकत की, जिसे वहां मौजूद किसी ने रिकॉर्ड कर लिया. जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में देखा जा सकता है कि आलिया स्टेज से नीचे की तरफ जा रही हैं, उनके पीछे रणबीर भी जाते दिख रहे हैं. तभी आप देखेंगे कि आलिया का लहंगा सीढ़ियों पर ही रह जाता है. जिसे रणबीर लात मारते हैं और आगे बढ़ जाते हैं. ये वीडियो देखने के बाद लोगों का कहना है कि उन्होंने रणबीर से ऐसी हरकत की उम्मीद कभी नहीं की थी. ये वीडियो सामने आने के बाद लोग इस पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. एक यूजर ने इस पर कमेंट करते हुए लिखा, 'उम्मीद करते हैं कि एक्ट्रेस इससे शादी नहीं करेंगी, क्योंकि वो उन्हें कभी अच्छे से नहीं रखने वाला.' दूसरे यूजर ने लिखा, 'ये बेहद रूड था. ये आदमी औरतों की कभी रिसपेक्ट नहीं कर सकता.' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'रणबीर जैसे लोग किसी रिलेशनशिप में सच्चे नहीं हो सकते.' इसके अलावा कई लोगों ने रणबीर के व्यवहार को अपमानजनक बताया.

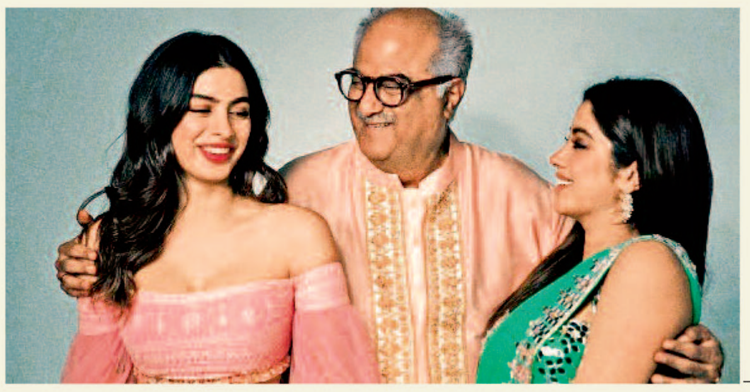

निर्माता और निर्देशक बोनी कपूर ने भी इंस्टाग्राम पर अपना अकाउंट बना लिया है. इसकी जानकारी उनके बेटे और अभिनेता अर्जुन कपूर ने एक पोस्ट शेयर कर दी है.

बच्चों पर नज़र रखते हैं बोनी

अभिनेता ने बताया कि उनके पिता बोनी कपूर पहले ट्विटर पर सक्रिय थे, जो कि अब इंस्टाग्राम पर भी सक्रिय हो गए हैं. अर्जुन ने बोनी की फोटो शेयर कर लिखा, 'तो ये हुआ, आखिरकार पिताजी अपने सभी बच्चों पर नजर रखने और दुनिया को अपना फैशनेबल अंदाज दिखाने के लिए इंस्टाग्राम पर आए हैं....'. वहीं उनकी बेटी और एक्ट्रेस जाह्नवी ने पिता के इंस्टाग्राम पर सक्रिय होने पर खुशी जताते हुए उनकी एक तस्वीर शेयर की है. साथ ही उन्होंने हार्ट की इमोजी भी पोस्ट की है.

रोमांटिक डांस करेंगे जॉन-जैकलीन फर्नांडिस

अभिनेता जॉन अब्राहम फिल्म 'अटैक' की शूटिंग में व्यस्त हैं. अभेनता जल्द ही फिल्म के लिए एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस के साथ रोमांटिक सॉन्ग नंबर की शूटिंग करने वाले हैं. इस विशेष नंबर की योजना, जो फिल्म के मुख्य आकर्षण में से एक है, कुछ वक्त से चल रही थी और लक्ष्य सही लोकेशन की तलाश में थे. अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ कोच्चि पसंद थी. साथ ही जॉन और जैकलीन ने कोच्चि में सांग के लिए रिहर्सल भी शुरू कर दी है.

पढ़ाई का खर्च उठाती हैं ट्विंकल

एक्टर अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना ने बताया कि वह अपने बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाती हैं, जिसके पीछे की वजह भी खास है.

उन्होंने बताया कि वो इसलिए बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाती हैं क्योंकि फिर वो कह सकती हैं कि तुम पढ़े-लिखे हो तो सिर्फ मेरी वजह से. ट्विंकल 'मिसेज फनीबोन्स' के नाम से ब्लॉग भी लिखती हैं. सोशल मीडिया पर वह बेबाक पोस्ट के लिए भी मशहूर हैं. इंस्टाग्राम पर उनको लाखों लोग फॉलो करते हैं. शादी के बाद से ट्विंकल ने फिल्मों से दूरी बना ली थी.

TV मैजिक

योग्यता के आधार पर हो सफलता

शो 'इस मोड़ से जाते हैं' में परागी की भूमिका निभाने वाली अक्षिता मुद्गल ने कहा कि शो की कहानी में परागी, संजय पाठक से प्यार करती है और दोनों यूपीएससी एग्जाम की तैयारी भी कर रहे हैं. परागी अच्छे नंबरों से यूपीएससी परीक्षा पास कर लेती है, जबकि संजय ऐसा नहीं कर पाता. अक्षिता ने कहा कि यदि पुरुष अपने करिअर को प्राथमिकता दे सकते हैं तो फिर महिलाओं को भी उसी तरह की आजादी क्यों नहीं दी जाती? मेरा किरदार इसी पुरानी सोच पर सवाल उठाता है. वहीं संजय पाठक का रोल निभाने वाले हितेश भारद्वाज ने कहा कि संजय का मानना है कि सफलता योग्यता के आधार पर होनी चाहिए और यह कड़ी मेहनत से मिलती है. वो उन महिलाओं का समर्थन करता है, जो अपने सपने और लक्ष्य पूरा करना चाहती हैं. वो उनमें से नहीं है, जो महिलाओं के विकास में बाधा बने. यह शो जी टीवी पर प्रसारित होता है.

भंडारे की तैयारियों में रुकावटें

शो 'शुभ लाभ-आपके घर में' की कहानी में देवी लक्ष्मी अपनी भक्त सविता को उनके लिए एक भंडारा करवाने को कहती हैं. देवी लक्ष्मी इस भंडारे के लिए एक शर्त रखती हैं कि सविता को भंडारे का स्पॉन्सर बनने के लिए रोहित को मनाना होगा, जो दान-पुण्य में भरोसा नहीं रखता है. वहीं भंडारे की तैयारियों में भी कई रुकावटें आती हैं. एक ओर सविता को चोट लग जाती है, वहीं दूसरी ओर प्रीति, श्रेया एवं वैभव द्वारा भंडारे के लिए बनाए गए खाने में कुछ मिला देती है. सविता का किरदार निभा रही गीतांजलि टिकेकर ने कहा कि देवी लक्ष्मी ने सविता की 2 मनचाही मुरादों को पूरा किया है. यह शो सोनी सब पर प्रसारित होता है.

क्रिसमस के रंग में करीना-सोनम

एक्ट्रेस करीना कपूर खान और सोनम कपूर ने अपनी-अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर क्रिसमस को लेकर पोस्ट किया है, जिसमें दोनों क्रिसमस को लेकर उत्साहित नजर आ रही हैं. करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कार की विंडो की तस्वीर शेयर की है, जिस पर बारिश की बूंदें नजर आ रही हैं. इस पोस्ट पर उन्होंने एक स्टिकर भी लगाया है, जिस पर एक नंबर डला हुआ है. साथ ही उन्होंने लिखा, 'ये तो क्रिसमस की तरह बहुत कुछ देखने की शुरुआत है. नहीं जैसे सचमुच.' वहीं अभिनेत्री सोनम ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो क्रिसमस ट्री के पास खड़ी हुई दिख रही हैं. फोटो में सोनम बेहद खुश और उत्साहित दिख रही हैं. क्रिसमस पश्चिम मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि 25 दिसंबर को ईसा मसीह या यीशु का जन्म हुआ था. जिसकी खुशी में हर साल क्रिसमस मनाया जाता है. वहीं क्रिसमस से 12 दिन के उत्सव क्रिसमस टाइड की भी शुरुआत होती है. दिसंबर की शुरुआत होते ही समूचे विश्व में क्रिसमस का काउंटडाउन शुरू हो जाता है.

कातिलाना रेड ड्रेस में लहराईं जुल्फें

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने अपना एक ऐसा वीडियो पोस्ट किया है, जो सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है. वीडियो में देखा जा सकता है कि वह एक पूल के किनारे नजर आ रही हैं. उन्होंने रेड कलर की स्विमिंग ड्रेस पहनी है और अपने जुल्फों को हवा में लहराते हुए नजर आ रही हैं. उनके इस अंदाज पर फैंस फिदा हो गए हैं. बोल्ड अदाओं से उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया है. एक फैन ने कमेंट किया, 'आपने तो आग लगा दी'. दूसरे फैन ने लिखा, 'आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं'. उनके इस वीडियो को 2 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं.

Gadgets जोन

डॉट्स ट्यून ईयरबड्स

एम्ब्रेन ने डॉट्स ट्यून ईयरबड्स को लांच किया है. इसमें चार्जिंग केस सपोर्ट के साथ कुल 29 घंटे तक का प्लेबैक टाइम मिलता है. कंपनी का दावा है कि ईयरबड्स सिंगल चार्ज में 6.5 घंटे तक चलते हैं. ईयरबड्स 10 मिमी स्पीकर ड्राइवर्स से लैस हैं, जो मूल रूप से हाई बास और एक ऑथेंटिक साउंड एक्सपीरियंस प्रदान करते हैं. ईयरबड्स गूगल असिस्टेंट और सिरी दोनों के लिए वॉयस असिस्टेंस एक्टिवेशन के साथ आते हैं, जिससे यूजर्स को कमांड की आजादी मिलती है.

CAREER जोन

एक ही कार्य पर करें फोकस

जीवन में हर व्यक्ति अपने सपनों को पूरा कर सफलता की सीढ़ियां चढ़ना चाहता है. इस दौड़ में कुछ लोग सफलता हासिल कर आगे निकल जाते हैं तो कुछ को असफलता का मुंह देखना पड़ता है. असफलता का स्वाद चखने वाले ज्यादातर लोग अपनी असफलता के लिए दूसरों को दोष देते हैं, लेकिन वास्तव में उनकी असफलता के लिए उनके ही द्वारा की गई कुछ गलतियां जिम्मेदार होती हैं. ऐसे में आइए जानते हैं सफलता हासिल करने के वो मंत्र, जो हर व्यक्ति को सफलता हासिल करने में मदद करते हैं.

समर्पण

अपने जीवन में हमेशा उसी चीज को हासिल करने का लक्ष्य रखें, जिसे करने में आपकी रुचि भी हो. कई बार लोग सिर्फ लाभ कमाने के लिए ऐसा व्यवसाय चुन लेते हैं जिसमें उनकी जरा सी भी रुचि नहीं होती है. कारणवश, उन्हें बाद में नुकसान उठाना पड़ जाता है. इसलिए सफलता का सबसे पहला नियम यही है कि अपने पसंद के काम का चुनाव करें.

दबाव में ना करे काम

अधिकांश भारतीय परिवारों में बात जब बच्चे के करिअर की होती है तो माता-पिता बच्चे पर अपनी इच्छा का दबाव बनाने लगते हैं. जिसकी वजह से बच्चा अक्सर अच्छे परिणामों से दूर हो जाता है. ऐसे में अगर बच्चा अपनी पसंद का करिअर चुनता है तो वह उस क्षेत्र में स्वतः ही उस क्षेत्र में सफल हो जाएगा.

एक साथ कई काम

हर काम में परफेक्ट होने की चाहत कई बार व्यक्ति को बार-बार असफलता का मुंह देखने के लिए मजबूर कर देती है. अपनी कार्यक्षमता से अधिक एकसाथ कई कार्य करने की इच्छा की वजह से व्यक्ति अपने लक्ष्य पर फोकस नहीं कर पाता है, इसलिए एक समय में एक ही कार्य पर फोकस करते हुए जीवन में सफलता हासिल करें.

दूसरे व्यक्तियों पर निर्भरता

अक्सर जब हम कोई नया कार्य कर रहे होते हैं तो हम अधिक से अधिक काम दूसरे व्यक्ति से ही करवा लेना चाहते हैं. जिससे खुद को कम मेहनत करनी पड़े. लेकिन जब कभी आपको खुद वो काम करना पड़ता है तो आप उसे उतनी कुशलता से नहीं कर पाते हैं और असफल हो जाते हैं.

अनुभव की कमी

किसी भी कार्य में सफलता हासिल करने के लिए उसे करने से पहले उसे जुड़ा अनुभव जरूर प्राप्त कर लें. अनुभव की कमी भी व्यक्ति की सफलता में अड़चन पैदा कर सकती है.

शिखर दृष्टि जीवन की...
साप्ताहिक समाचार पत्र
हिलव्यू समाचार
शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या
जयपुर >> मंगलवार, 14 दिसम्बर, 2021
RAJHIN16831/20/01/2013-TC
hillviewsamachar@gmail.com

मैं हिंदू हूँ, हिंदुत्ववादी नहीं: राहुल

'महात्मा गांधी हिंदू थे और गोडसे हिंदुत्ववादी; मोदी भी हिंदुत्ववादी हैं, उन्हें सिर्फ सत्ता चाहिए'

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को जयपुर में कांग्रेस की राष्ट्रीय रैली में मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूरा देश चार-पांच उद्योगपतियों के हाथ में है। हर संस्थान एक संगठन के हाथ में है। मंत्रियों के ऑफिस में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ओएसडी हैं। देश को जनता नहीं चला रही है, तीन-चार पूंजीपति चला रहे हैं और हमारे प्रधानमंत्री उनके काम कर रहे हैं। रैली में सोनिया गांधी भी शामिल हुईं, लेकिन उन्होंने भाषण नहीं दिया।

राहुल ने कहा कि दो शब्दों का एक मतलब नहीं हो सकता। हर शब्द का अलग मतलब होता है। देश की राजनीति में आज दो शब्दों के मतलब अलग हैं। एक शब्द हिंदू दूसरा शब्द हिंदुत्ववादी। ये एक चीज नहीं है, ये दो अलग शब्द हैं और इनका मतलब बिल्कुल अलग है। मैं हिदू हूं, लेकिन हिंदुत्ववादी नहीं हूं। महात्मा गांधी हिंदू थे और नाथूराम गोडसे हिंदुत्ववादी थे।

उन्होंने कहा कि हिंदू और हिंदुत्ववादी में फर्क होता है। हिंदू सत्य को ढूंढता है। मर जाए, कट जाए, फिर भी हिंदू सच को ढूंढता है। उसका रास्ता सत्य रहा। पूरी जिंदगी वो सच को ढूंढने में निकाल देता है। जबकि हिंदुत्ववादी पूरी जिंदगी सत्ता को ढूंढने और सत्ता पाने में निकाल देता है। वह सत्ता के लिए किसी को भी मार देगा। हिंदू का रास्ता सत्याग्रह होता है और हिंदुत्ववादी का रास्ता सत्ताग्रह होता है।

राहुल ने कहा- देश की सरकार कहती है कि कोई किसान शहीद ही नहीं हुए। मैंने पंजाब के लिए, हरियाणा से नाम लिए, पांच सौ लोगों की लिस्ट संसद में दी। उनसे कहा कि पंजाब की सरकार ने कंपनसेशन दिया है, आप भी दीजिए। उन्होंने नहीं दिया।

राहुल ने कहा कि आप सब हिंदू हो, हिंदुत्ववादी नहीं। ये देश हिंदुओं का देश है, हिंदुत्ववादियों का नहीं। आज देश में दर्द है, महंगाई है तो ये काम आज हिंदुत्ववादियों ने किया है। उन्हें किसी भी हालत में सत्ता चाहिए। राहुल ने कहा कि 700 किसान शहीद हुए, यहां हमने दो मिनट मौन रखा, संसद में मौन रखने नहीं दिया। हम खड़े हुए मौन नहीं किया। चन्नी जी से पूछिए, चार सौ किसानों को पंजाब की सरकार ने 5 लाख रुपए दिए। उनमें से 152 को रोजगार दिला दिया है, बाकी को देने जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने पीछे से छुरा घोंपा है। वे हिंदुत्ववादी हैं इसलिए पीछे से छुरा मारा। हिंदू आगे से मारता है, पीछे से नहीं मारता। हिंदुत्ववादी डराता है, धमकाता है, लेकिन मैं डरता नहीं हूं। मुझे सत्ता मिले न मिले, मैं सच्चाई का साथ देता रहूंगा।

उन्होंने उद्योगपतियों को रियायत देने को लेकर भी मोदी पर तंज कसा। राहुल ने कहा- मोदीजी 24 घंटे यानी सुबह उठते ही कहते हैं, आज अडाणी को क्या देना है। ऐसे देश नहीं चलाया जाता है। देश गरीबों, किसानों, छोटे दुकानदारों का है, ये ही लोग इस देश को रोजगार दे सकते हैं। अडाणी अंबानी की जगह है, लेकिन वो रोजगार पैदा नहीं कर सकते। रोजगार छोटे बिजनेस वाले, किसान पैदा कर सकते हैं।

राहुल भूल गए कि चन्नी नहीं आए भाषण के दौरान राहुल गांधी भूल गए कि पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी रैली में नहीं आए हैं। वे बार-बार चन्नी की मौजूदगी बताते रहे। उन्होंने दो बार चन्नी का नाम पुकारा, फिर सोनिया गांधी और अशोक गहलोत ने इशारा करके उन्हें बताया कि चन्नी रैली में नहीं आए हैं।

पहले पीएम जो सीएम की चिट्ठी का जवाब नहीं देते- गहलोत: मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि तमाम राज्य सरकारें वित्तीय संकट में हैं, केंद्र चुप है। विकास होगा राज्य सरकारें करेंगी। संकट आएगा, राज्य पार पा सकते हैं। कोरोना का संकट आया, राजस्थान सिरमौर रहा। नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो मुख्यमंत्री के पत्र का जवाब नहीं देते हैं। यह सरकार घमंड से चल रही है।

पायलट बोले- महंगाई कम करें, नहीं तो सरकार को हटा देगी जनता: पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि जयपुर की इस रैली से मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। हम इस सरकार को मजबूर करेंगे कि या तो वह मंहगाई कम करे, नहीं तो जनता सरकार को हटा देगी।

एक नज़र

आइटम सॉन्ग 'आग लगा दो' का पोस्टर हुआ लॉन्च

लॉन्च होने के एक ही दिन बाद इंडिया में 13वें नम्बर पर ट्रेंड कर रहा सॉन्ग

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर बड़े पर्दे पर कमाल दिखा रहे हैं। अब जरूरी नहीं है कि टैलेंट सिर्फ बड़े शहरों में ही मिलेगा, हम सब राजस्थान से हैं और हमारा आइटम नंबर सॉन्ग आग लगा दो किसी भी पहलू से बॉलीवुड लेबल से कम नहीं लगता। यह कहना था हिंदी आइटम नंबर आग लगा दो की टीम का। सोमवार को टीम ने सॉन्ग का पोस्टर लॉन्च किया।

वी प्रोडक्शन के राहुल मीणा ने बताया कि इस सॉन्ग में मेन अट्रैक्शन मशहूर सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर मोनिश राजा हैं जिनकी सोशल मीडिया पर 3.6 मिलियन की फैन फॉलोइंग है। उनके अपोजिट आकांक्षा भल्ला व को-आर्टिस्ट काशीराम प्रजापति, डी के दिलीप कुमार और अभय तंबोली हैं। सॉन्ग के प्रोड्यूसर जोमी बॉस ने बताया कि हम राजस्थान म्यूजिक इंडस्ट्री के लिए कुछ अलग करना चाहते हैं। जिस तरह आज पंजाब और हरियाणा की म्यूजिक इंडस्ट्री ने ग्रोथ किया है, उसी तर्ज पर हम लगातार प्रयास कर रहे हैं और नया टैलेंट खोजकर बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध करा रहे हैं। सॉन्ग को कमल के कुमावत ने डायरेक्ट किया है जो अब तक 40 से अधिक म्यूजिक वीडियो के डायरेक्टर रह चुके हैं वहीं कोरियोग्राफर विधि जोशी हैं। गाने में माही छाबा ने आवाज दी व वजीर और मैन-डी ने रैपिंग व कम्पोजिंग की है। इसके लिरिक्स मैन-डी, वजीर और मिस्टर रैपर म्यूजिक (पंकज प्रजापति) ने लिखे और संगीत परमेन एरो म्यूजिक ने दिया।

सॉन्ग के मैनेजर योगेंद्र मीणा और मनीष मीणा ने बताया कि हमने सॉन्ग के वीडियो में अच्छे इफेक्ट्स डाले हैं और साथ में फास्ट म्यूजिक के साथ मोनीश राजा की एक्टिंग स्किल्स का अच्छा मैशअप देखने को मिलेगा। हम जल्द ही राजस्थान के नेता व सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा पर भी फ़िल्म बनाने जा रहे हैं।

बिहार की प्रसिद्ध 'खत्वा' हस्तकला पर वर्कशॉप का आयोजन

एप्लीक क्राफ्ट से हुआ है फैशन इण्डस्ट्री का जन्म: कार्तिक चौहान

सेलिब्रेटिंग इंडिया एट 75 के तहत, आर्टिस्ट कम्यूनिटी 'द सर्किल' के लिये निःशुल्क रूफटॉप ऐप पर जुडे देश भर के कलाकार, गुजरात के प्रतिष्ठित कलाकार कार्तिक चौहान ने किया वर्कशॉप का संचालन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। एक कपडे को दूसरे कपडे पर जोड़ने की कला को एप्लीक क्राफ्ट कहा जाता है। इस आर्ट की उत्पत्ति सुई के जन्म के साथ हुई। बिहार में 'खत्वा' नाम से प्रसिद्ध यह कला विश्व भर में विभिन्न नामों से प्रसिद्ध है। यह कहना था गुजरात के प्रतिष्ठित कलाकार कार्तिक चौहान का। कार्तिक सोमवार को रूफटॉप ऐप पर आर्टिस्ट कम्यूनिटी 'द सर्किल' के लिये आयोजित बिहार की प्रसिद्ध खत्वा कला (एप्लीक पैच वर्क कला) वर्कशॉप में सम्बोधित कर रहे थे। आजादी का अमृत महोत्सव - सेलिब्रेटिंग इंडिया एट 75 के तहत पर राजस्थान स्टूडियों की सहायता से इस वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

वर्कशॉप के दौरान कार्तिक ने गुजरात में एप्लीक कला से जुडे महत्व भी साझा किया। उन्होंने बताया कि पुत्री के विवाह में लडकी की मां एप्लीक क्राफ्ट से सुसज्जित कर पांच गोदडी अपने हाथों से बना कर भेंट करती है। कार्तिक ने आगे बताया कि एप्लीक कला से फैशन इण्डस्ट्री का जन्म हुआ और इससे बने परिधानों को सभी पसंद करते है और पहनते हैं। उन्होंने कहा कि एप्लीक क्राफ्ट के डिजाइन प्रकृति से प्रेरित होते हैं। वर्कशॉप के दौरान उन्होंने लाल और सफेद दो रंग के चौकोर कपड़े लिये और सर्वप्रथम इसमें से लाल रंग के कपडे को चार बार फोल्ड कर विशेष तरीके से कट किया। फिर इस कट किये हुए लाल कपडे को दूसरे सफेद कपडे पर अधिरोपण कर स्टिचिंग करते हुए बेहद सुंदर डिजाइन प्रस्तुत किया। उन्होंने रिवर्स एवं पारम्परिक के बारे में भी जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि कार्तिक चौहान का परिवार भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान सिंध से जामनगर में आ कर बस गया था। विस्थापन के समय उनके पास उनके पूर्वजों द्वारा सिखाये गये एप्लिक प्राचीन शिल्प कला के अतिरिक्त कुछ नहीं था। कार्तिक गत 15 वर्षों से एप्लिक कला में कार्यरत महिला कारीगरों के सशक्तिकरण के लिए जमीनी स्तर पर विभिन्न क्लस्टर डवलपमेंट कार्यक्रमों और कार्यशालाओं से जुड़े हुए है।

इन्वेस्ट राजस्थान- 2022: बैंगलोर में इन्वेस्टर्स कनेक्ट प्रोग्राम

74 हजार 312 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्तावित निवेश प्रस्तावों पर हुए हस्ताक्षर

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। बैंगलोर में आयोजित इन्वेस्टर्स कनेक्ट प्रोग्राम में 74 हजार 312 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए गये हैं। कुल 19 प्रस्तावित निवेश प्रस्तावों में 4 एमओयू और 15 एलओआई शामिल हैं। इन्वेस्ट राजस्थान समिट की श्रृंखला में देश-विदेश में कार्यक्रम आयोजित कर निवेशकों को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इस कड़ी में सोमवार को बैंगलोर की ताज वेस्ट एंड होटल में रोड़ शो का आयोजन किया गया। जिसमें उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुंतला रावत और तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग की अगुवाई वाले प्रतिनिधि मंडल ने निवेशकों के साथ एमओयू और एलओआई किए। साथ ही, निवेशकों को राज्य में 24 - 25 जनवरी को होने वाले इन्वेस्ट राजस्थान समिट में आंमत्रित भी किया।

बैंगलोर रोड़ शो में किए गए निवेश प्रस्तावों में न्यू टेक्नोलॉजी पर आधारित उद्योगों रोबोटिक्स, ईवी, टेक्निकल टेक्सटाइल, रिन्यूएबल एनर्जी के साथ ही हॉस्पिटैलिटी, स्वास्थ्य और रियल एस्टेट शामिल हैं। इन प्रस्तावों में जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी द्वारा सिरोही में 1000 मेगावाट का हाइड्रो पंप बेस्ड एनर्जी स्टोरेज प्लांट लगाने का 4 हजार 900 करोड रुपये का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। साथ ही, एडवर्ब टेक्नोलॉजी द्वारा अलवर में स्थित ईएमसी जोन में ऑटोमेशन और रोबोटिक्स संबंधित उत्पाद बनाने की इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव भी प्राप्त हुआ है। वहीं, मैसूर से भी करीब 160 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं से राजस्थान औद्योगिक विकास के नक्शे पर लगातार ऊभर रहा है। उन्होंने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक में आईटी से जुड़ी महत्वपूर्ण कंपनियां स्थापित है। उनके लिए राजस्थान में निवेश करने का बेहतरीन अवसर है। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2019 में आईटी को थ्रस्ट सेक्टर में शामिल कर विशेष लाभ दिए जा रहे हैं। जिससे राज्य में आईटी क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण कंपनियों ने निवेश किया है। जिसमें इन्फोसिस, डोश बैंक, जैनपेक्ट और न्यक्लियस सॉफ्टवेयर महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भविष्य की निवेश जरुरतों को ध्यान में रखते हुए सेक्टर आधारित नीतियां और योजनाएं बनाई जा रहीं हैं।

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि उर्जा के क्षेत्र में राजस्थान एक एनर्जी सरप्लस राज्य बन चुका है। जोधपुर के भाड़ला में 14 हजार एकड़ भूमि पर स्थापित विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क है। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में राज्य में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र को विशेष प्रोत्साहन देने के लिए नई विशेष नीतियां भी जारी कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में भूमि की कोई कमी नहीं हैं। रीको द्वारा 360 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा चुके हैं। साथ ही, ईवी जोन, मेडिकल डिवाइस पार्क, पेट्रोलियम, केमिकल्स एवं पेट्रोकेमिक्लस, फिनटैक पार्क आदि स्थापित किए जा रहें हैं।

इस अवसर पर कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार, राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव, रीको ईडी रूक्मणि रियार सीआईआई के कर्नाटक स्टेट काउंसिल चेयरमैन रमेश रामादुरई, वाइस चेयरमैन ज्योति प्रधान, जेएसडब्ल्यू के वाइस प्रेसिडेंट वीरेश देवारमानी, विप्रो के वाइस प्रेसिडेंट प्रसेनजीत लाहिरी सहित राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, सीआईआई के पदाधिकारी एवं उद्योग जगत से जुड़े लोग मौजूद रहे।

राजपुताना यूनानी मेडिकल कॉलेज में सिमरन मिस फ्रेशर और हिफजुर्रहमान मिस्टर फ्रेशर चुने गए

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जगतपुरा रोड खोह नागौरियान स्थित राजपुताना यूनानी मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर में सत्र 2021-2022 के नव आगन्तुक छात्र-छात्राओं का सीनियर्स ने वेलकम करते हुए फ्रेशर कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें सिमरन खान मिस फ्रेशर और हिफजुर्रहमान मिस्टर फ्रेशर चुने गए। वहीं मिस्टर हैण्डसम मोहम्मद शोयब तथा मिस ब्यूटी सिदरा चुनी गई। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम में जूनियर्स ने अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर प्रस्तुति देने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पारितोषिक वितरित किए गए। इस मौके पर कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी अनीस अलवी, प्रिंसिपल सैयद शफीक नकवी, यूनिवर्सिटी के डीन प्रोफेसर मोहम्मद शोयब आजमी, प्रोफेसर अब्दुल शकूर सहित अन्स स्टाफ कर्मी एवं वरिष्ठजन मौजूद थे। प्राचार्य डॉ. शफीक नकवी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यार्थियों के लिए आर्शीवचन कहे।

नेट-थियेट पर खूब जमा सिंधी नाटक

जा रिश्ता, केहिडा रिश्ता, ही रिश्ता आहिन, रिश्तन जो छा...?

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। सामाजिक सिंधी नाटक रिश्ता आहिन, रिश्तन जो छा सशक्त प्रस्तुति ने लोगों को झकझोर दिया। प्रसिद्ध सिंधी नाट्य निर्देशक सुरेश सिंधू की नाट्य परिकल्पना एवं कलाकारों की भावपूर्ण अभिनय अभिव्यक्ति ने लेखक वी. पी. चॉद के पात्रों को जीवंत कर दिया।

नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू बताया कि सामाजिक सरोकार पर आधारित इस नाटक में समाज में टूटते रिश्तों की डोर पर गंभीर प्रश्न उठायें । कहानी में एक बेटा पढ-लिखकर विलायत चले जाता है और वहीं अपना परिवार बसा लेता है। ऐसे में उसके बूढे मॉ-बाप उससे मिलने को तरस

जाते हैं और छोटी-बडी परेशानियां एवं अपनी बीमारियों झूझते हुए याद करतें हैं। बेटा जब वापस आता है तो वो अपनी मॉ से कहता है इतना पैसा भेजता हूॅ ऐश से रहो तब मॉ कहती है पेसों की नही मुझे बेटे की जरूरत है।

नाटक में विक्टर मोटवानी, नन्दिनी पंजवानी ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों पर अमिट छाप छोडी। देव सागर, हर्षा पंजाबी और मनोज आडवानी ने अपने अभिनय का लौहा मनवाया। मंच संचालन पूजा चॉदवानी ने किया।

नाटक में मनोज स्वामी की प्रकाश परिकल्पना नाट्यनुरूप रही, लाइव कैमरा जितेन्द्र शर्मा संगीत संचालन अनिल मारवाड़ी व मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू, ध्रति शर्मा, अजय शर्मा, सौरभ कुमावत, विष्णु जांगिड व अंकित जांगिड का रहा।

विमान दुर्घटना में बलिदान हुए सभी शूरवीरों को शत-शत नमन

जीवन की अंतिम उड़ान भरी थी उन 13 लोगों ने!

अपनी नाम राशि बिपिन का शाब्दिक अर्थ जीवंत किया उन्होंने। बिपिन का अर्थ है शानदार!

अपने जीवन का शानदार प्रदर्शन करके बिपिन रावत चले गए। पत्नी मधुलिका ने उनके जीवन में मधु बिखेरा और अंतिम समय तक साथ देती हुई उनके साथ विदा हो गईं। देश की रक्षा और सुरक्षा को नई तकनीक और रणनीति से दृढ़ करने वाले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ रावत ईश्वर की इच्छा के आगे नतमस्तक ज़रूर हुए लेकिन भारत का मस्तक कभी नीचे नहीं होने दिया दुश्मन देशों के सामने। उरी सर्जिकल स्ट्राइक का बदला और न जाने कितने ऑपरेशंस उनकी देखरेख और प्रतिनिधित्व क्षमता से सफल हुए।

सीडीएस बिपिन रावत एवं मधुलिका रावत

16 दिसम्बर 2021 को वे 44 वर्ष पूर्ण करते देश की सेवा में। लेकिन 8 दिन पूर्व ही वे दुनिया से विदा ले गए। 16 दिसम्बर 1978 को उन्होंने पहली बार भारत की रक्षा का जिम्मा अपने कंधों पर लिया था। यानी टीन एज पार करते ही (20 वर्ष की आयु में) वे पिता लेफ्टिनेंट जनरल एलएस रावत (तात्कालीन ब्रिगेडियर) के साथ सेकेंड लेफ्टिनेंट के रूप में उनके कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो गए। उसके बाद देश की रक्षार्थ निरन्तर डटे रहे। सबसे बड़ी बात 63 वर्ष की आयु में से 44 वर्ष भारत की रक्षा में गुज़ारे उन्होंने!

रक्षा प्रमुख या चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) का पद का आशय भारतीय सशस्त्र सेनाओं के पेशेवर त्रि-सेवा प्रमुख और भारत सरकार के वरिष्ठतम वर्दीधारी सैन्य सलाहकार होता है। 24 दिसम्बर 2019 को भारत की सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने इस पद के सृजन की घोषणा की और जनरल बिपिन रावत को 1 जनवरी 2020 को भारत का प्रथम रक्षा प्रमुख बनाया गया।

इस पद को यादगार बनाकर वो विदा हो गए दुनिया से! 1 जनवरी 2022 उनके इस पद की द्वितीय वर्षगाँठ नहीं मना सका!

इस हादसे के वक्त वायुसेना के एमआई-17वी-5 हेलिकॉप्टर में कुल 14 लोग सवार थे। इनमें सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत, ब्रिगेडियर एलएस लिद्दर, लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, गुरसेवक सिंह नायक, विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान, जितेंद्र कुमार नायक, जेडब्ल्यूओ प्रदीप ए, जेडब्ल्यूओ राणा प्रताप दास, स्क्वॉड्रन लीडर कुलदीप सिंह राव, विवेक कुमार लांस नायक, बी साई तेजा लांस नायक, ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह और हवलदार सतपाल शामिल थे। इन सभी में से हादसे में केवल ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह ही जीवित बचे हैं। पूरा देश उनके जीवन के लिए प्रार्थना कर रहा है। हिलव्यू समाचार परिवार सभी दिवंगत शूरवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

शालिनी श्रीवास्तव,
सम्पादक हिलव्यू समाचार

ब्रिगेडियर एलएस लिद्दर

विवेक कुमार लांस नायक

लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह

सतपाल हवलदार

जितेंद्र कुमार नायक

जेडब्ल्यूओ प्रदीप ए

गुरुसेवक सिंह नायक

विंग कमांडर पृथ्वीसिंह चौहान

बी.साई तेजा लांस नायक

जेडब्ल्यूओ राणा प्रताप दास

शहीदों में एक दीप राजस्थान का भी

कुलदीप सिंह (स्क्वाड्रन लीडर)

इसी हेलीकॉप्टर हादसे में बलिदान हुए झुंझुनू के कुलदीप सिंह राव।

कुलदीप ने एयरफोर्स जॉइन करने के लिए कड़ी मेहनत की थी। कुलदीप ने एयफोर्स में भर्ती होने के लिए खुद को मेडिकली फिट करने के लिए कड़ी मशक्कत की। कुलदीप का सलेक्शन दिसंबर 2014 में एयरफोर्स में हुआ था कुलदीप के परिजनों के अनुसार एयरफोर्स में जाने के लिए कुलदीप ने जी जान एक कर दी थी। गौरतलब है कि कुलदीप का वजन 90 किलो से ज्यादा था और यही उसके लक्ष्य में सबसे बड़ी बाधा था। आख़िर 6 फीट के कुलदीप ने कड़ी मशक्कत करते हुए 2 महीने में 20 किलो वजन कम किया और पूरे दमखम से फरवरी 2015 में एयरफोर्स मेडिकल टेस्ट भी पास लिया।

शहीद कुलदीप सिंह की पार्थिव देह हेलीकॉप्टर के जरिए दिल्ली से झुंझुनूं हवाई पट्टी पर पहुंची। यहां शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पार्थिव देह के साथ शहीद की बहन और पत्नी भी झुंझुनूं पहुंचीं यहीं पर शहीद की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया। उन्हें अंतिम सलाम करने, उनकी शहादत को नमन करने उनके पैतृक गांव घरडाना खुर्द में लोग उमड़ पड़े। उनकी पत्नी ने मुखाग्नि दी।

व्यंग्य

बगुला

उमाकांत भारती भागलपुर (बिहार)

स्थानीय थाना एक सौ मीटर पर ही अवस्थित है, फिर भी ममता कामवाली ने अपनी अठारह वर्षीया कुमारी कन्या वरसा की गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस थाना को क्यों नहीं दी? दाल में कुछ काला है। ममता ने वरखा को या तो बेच दी होगी या उसकी हत्या कर दी होगी, तभी तो। उसके हरिजन टोला में चर्चा का बाजार गरम है। आखिरकार यह बात उड़ते-उड़ते स्थानीय थाने में पहुंच गई। 'पीड़िता ने जब इसकी रिपोर्ट ही नहीं की है, तो हमें क्या पड़ी है' थानाध्यक्ष ने खबर को हासिये पर रखते हुए अपने खासमखास सिपाही से कहा।

'लेकिन साहब! ममता है देशी मुग़ी की तरह बिल्कुल सॉलिड! बड़ी ही नमकीन है वह!' थानाध्यक्ष की आंखों में हलचल हुई।

'साहब! वह मुर्गा- मुर्गी भी पालती है। खांटी देशी नस्ल वाला।' सिपाही ने गर्म लोहे पर चोट की। थानेदार का हाथ भी खुजलाने लगा। 'थाना को सजग रहना चाहिए।अभी चलते हैं उसके घर!' स्थानीय थाना की पुलिस जग गई।

आत्म-चिंतन

बढ़ते तलाक: ज़िम्मेदार कौन?

तलाक़ शब्द सुनकर ही ऐसा लगता है जैसे कुछ टूट गया कुछ बिखर गया। वैसे तो यह प्रसंग पुराने जमाने से चला रहा है, आजकल कुछ ज्यादा ही हो गया है। दहेज समाज में एक ऐसा कीड़ा है जो बहुत घरों को खोखला कर देता है, ज्यादातर रिश्तेदारों में दिखावा करना कि हमारी बहू बहुत दहेज लाई है या गरीब घर की है तो उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है दहेज ना लाने के लिए। इसलिए शादी से पहले ही अगर लड़के वाले दहेज के लालची लगें तो लड़की के मां-बाप को शादी के लिए सख्ती से इंकार कर देना चाहिए कि बाद में तलाक की नौबत ना आए।

रमा भाटी, जयपुर

दूसरी तरफ बेटियों को ज्यादा आज़ादी दी जा रही है। ज़्यादा पढ़ने की वजह से और नौकरियां करने से उनमें आत्मविश्वास ज्यादा आ गया है। इसलिए उनकी यह सोच मैं और मेरा पति बस, परिवार में वह रहना नहीं चाहतीं अगर साथ में है तो बड़ों का कुछ भी कहना उनको बर्दाश्त नहीं, क्योंकि सहनशीलता की बहुत कमी है। बात-बात पर पीहर जाने की धमकी नहीं, तो अपने मां बाप से अलग हो जाओ। यहां फिर बेटी के मां बाप उसे शह देते हैं कि हमारी बेटी क्यों कुछ भी सहे क्यों काम करें या बेटी के साथ मिलकर झूठा पुलिस केस बनवाएंगे। जैसा कि टीवी में परिवारिक सीरियल में काफी कुछ गलत दर्शाया जाता है। दोनों ही केसों में मां बाप, समाज और टेलीविजन काफी हद तक जिम्मेदार हैं। क्योंकि जब तक बेटियों को अच्छे संस्कार नहीं दिए जाएंगे कि शादी के बाद अब ससुराल ही तुम्हारा परिवार है और सहनशीलता भी जरूरी है। बड़ों के साथ सामंजस्य बिठाना भी उतना ही जरूरी है। वहीं लड़कों को भी समझदारी से काम लेना चाहिए उन्हें भी दहेज के ख़िलाफ़ होना चाहिए, अपने बलबूते पर कमाएं और अपने मां बाप और पत्नी में सामंजस्य बिठाएं। यहां मैं यह भी कहना चाहूंगी कि मां बाप को भी बहू बेटे की हर बात पर टोका टाकी ना करें और सहजता से काम लें। देखा जाए थोड़ा-थोड़ा सभी ज़िम्मेदार हैं तलाक के लिए। उम्मीद है ऊपर कही बातों पर अगर अमल किया जाए तो तलाक काफी कम हो सकते हैं।

काव्य-कोना

पहाड़ के लोग...

देवताओं की धरती है मेरे पहाड़
बहुत मेहनती हैं मेरे पहाड़ के लोग
सुबह से ही शुरू हो जाती है कसरत
तभी तो नज़दीक नहीं आते हैं रोग
पीठ पर उठाते हैं बोझा
चढ़ जाते हैं कितनी भी हो चढ़ाई
आदर सत्कार करते हैं सभी का
यही तो है उनकी बढ़ाई
जब से इंसान के मन में
उन्नति का भूत सवार हुआ है
कोई किनारा नहीं बचा पहाड़ का
जो अब रहा अनछुआ है
कहीं टनल बन रहे कहीं भवन और सड़कें
कहीं जोर के धमाके कहीं मशीनों का शोर
इस अंधी दौड़ को कोई कैसे रोक पायेगा
कुदरत और आदमी लगा रहे अपना अपना जोर
दरकने लगे हैं अब मेरे हिमाचल के पहाड़
दहल जाता है कलेजा सुन कर उनकी दहाड़
मानो अपनी चीत्कार से आगाह कर रहे इंसान को
मत कर बर्बाद हमें विनाश को अपने, क्यों रहा तू पुकार
अतिथि को देवता स्वरूप मानते हैं
पहाड़ी लोगों में कूट कूट कर भरे हैं संस्कार
कितना भी बड़ा बन जाये चाहे
छू नहीं सकता उसको अहंकार
देवताओं की धरती है मेरे पहाड़
बहुत मेहनती हैं मेरे पहाड़ के लोग

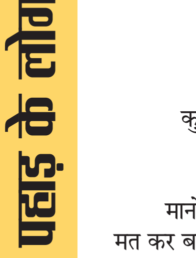

रवींद्र कुमार शर्मा, बिलासपुर हि.प्र.

साँझ का दर्द

हाँ मैं साँझ हूँ
ना दिन हूँ ना रात हूँ
हाँ मैं साँझ हूँ।
ना दिन पूरा पाती हूँ
ना रात पूरा पाती हूँ
अधूरी सी इन दोनों
के मध्य में ही रह
जाती हूँ।
हाँ मैं साँझ हूँ
मेरे अपूर्ण होने की
भी एक पीड़ा हैं।
ना दिन मेरा हैं
ना रात मेरी हैं।
अधूरा अँधेरा
अधूरा उजास पाती हूँ।
हाँ मैं साँझ हूँ
ना सूरज की रश्मियों
संग
जग को जगाती हूँ
ना तारों की छाँव में
निद्रा में ले जाती हूँ।
अधूरी हूँ अधूरा ही
पाती हूँ।
हाँ मैं साँझ हूँ
ना सूर्य मेरे संग
खेलता
ना चंद्र ही मुझे
सजाता
ना रोशनी पूरी पाती हूँ
ना चाँदनी में नहाती हूँ
हाँ मैं साँझ हूँ
ना दिन हूँ, ना रात हूँ
तन्हा सी मैं
अहर्निश के संगम की
सौगात हूँ
हाँ मैं साँझ हूँ

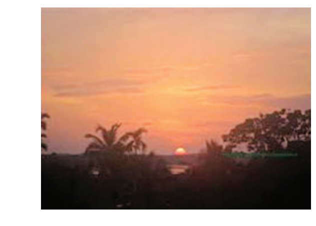

गरिमा राकेश गौतम, कोटा

आस्था-यात्रा दर्शन

चलें गंगा किनारे : ऋषिकेश

ऋषिकेश जैसा कि नाम से ही जाहिर है ऋषि- मुनियों का हिंदू तीर्थ स्थल, गढ़वाल हिमालय का प्रवेश द्वार।

हरिद्वार से 25 किलोमीटर उत्तर और देहरादून से 43 किलोमीटर दक्षिण पूर्व स्थित ऋषिकेश रेलवे जंक्शन पर पहुंचते ही आप 'योग नगरी ऋषिकेश' नाम से रूबरू होते हैं। चार धाम यात्रा का यह प्रवेश द्वार उन यात्रियों के लिए खासा महत्व रखता है, जो हिंदू धर्म और योग, अध्यात्म में दिलचस्पी रखते हैं। यहां गंगा तट पर हर साल फरवरी में अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह आयोजित होता है। एडवेंचर के शौकीनों को यहां रिवर राफ्टिंग, बंगी जंपिंग, पैरा ग्लाइडिंग जैसे स्पोर्ट्स भी मिल जाएंगे, सिर्फ बरसात के मौसम को छोड़ कर। यूं कहें कि अध्यात्म, मस्ती और एडवेंचर सभी को समेटे है ऋषिकेश, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गौरतलब है कि 2015 में ऋषिकेश और हरिद्वार को देश के 'जुड़वां राष्ट्रीय विरासत शहरों' की उपाधि दी गई थी।

यहां गंगा तट पर हर साल फरवरी में अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह आयोजित होता है। एडवेंचर के शौकीनों को यहां रिवर राफ्टिंग, बंगी जंपिंग, पैरा ग्लाइडिंग जैसे स्पोर्ट्स भी मिल जाएंगे, सिर्फ बरसात के मौसम को छोड़ कर। यूं कहें कि अध्यात्म, मस्ती और एडवेंचर सभी को समेटे है ऋषिकेश, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

ऋषिकेश में सबसे ज्यादा आकर्षित करने के लिए है पतित पावन गंगा नदी, कल-कल का निनाद करता तेज बहाव के साथ गंगा का निर्मल स्वच्छ जल जैसे गंगा की कहानी कहता प्रतीत होता है, 'मानो तो मैं गंगा मां हूं, ना मानो तो बहता पानी..... !' अगर आप पूरी आत्मीयता और तन्मयता से गंगा में स्नान करने या फिर गंगा को मन में उतारने के लिए तैयार हैं, तो बस इससे खूबसूरत नजारा और शांत स्थल कहीं और है ही नहीं। नदी में बड़ी-बड़ी चट्टानों, पत्थरों से टकराता अविरल निर्मल जल टकटकी लगाकर निहारने का मन करता है। ठंडी- ठंडी पुरवाइयाँ ऐसी सुहाती हैं कि अपने साथ बहा ले जा रही हो, मन मदमस्त हो झूम उठता है। तड़के सवेरे ही बढ़ती तादाद में श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने को तत्पर रहते हैं। पुरुष, महिलाओं और संतों के अलहदा घाट हैं। 'हर हर गंगे' और 'नमामि गंगे' का उद्घोष कानों में गूंजता रहता है। यहां योग और ध्यान के लिए चौकियां बनी हैं, जहां आप आंख मूंदकर घंटों मेडिटेशन कर सकते हैं, इसे अपने मन में उतार सुकून पा सकते हैं। यकीन मानिए, शहरों की भागदौड़ से दूर शांति की तलाश में आप यहां अच्छा समय गुजार सकते हैं। बहरहाल,दूर हिमालय की तलहटी में गंगा का चौडा पाट, बड़े-बड़े झूलों के साथ बजते मंदिर के घंटे और भजनों की मधुर तान पुकारती लगती है, 'मेरे तट पे आज भी गूंजे, नानक कबीर की वाणी..... !'

मञ्जु माहेश्वरी, वरिष्ठ पत्रकार जयपुर

संध्या वेला में आप तट पर गंगा आरती के दर्शन कर सकते हैं। त्रिवेणी घाट या परमार्थ निकेतन आश्रम शाम को तक़रीबन 5.30 तक पहुंच जाएं। इन घाटों पर शाम को अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। गंगा आरती से काफी समय पहले पर्यटक वहां पहुंचने लगते हैं, भजन गायन चलता रहता है, आरती के बाद श्रद्धालु दीपक जलाकर दोने में फूलों के साथ नदी में छोड़ देते हैं। बहते दीपकों का नजारा वाकई दीपावली के दृश्य से कमतर नहीं होता। यूं तो हरिद्वार में हर की पौड़ी पर सबसे बड़ी गंगा आरती होती है, अगर आप ऋषिकेश आए हैं, समय है तो एक शाम हरिद्वार गंगा आरती में शामिल जरूर हों।

लक्ष्मण झूला गंगा नदी के ऊपर बना मशहूर हैंगिंग ब्रिज है। यहाँ यह भी बता दें कि बरसों पहले यह झूला जूट की रस्सियों से बना था, इसका पाट भी ज्यादा चौड़ा था और चलने पर तेजी से झूलने का एहसास होता था। वर्तमान में इस पर सड़क है और चौड़ाई भी कम हो गई है। हां, अब यह लोहे से बना मजबूत पुल है। पुल की लंबाई 450 फीट है, तो गंगा नदी से ऊंचाई 70 फीट है। इसके करीब ही आप तेरह मंजिला मंदिर, त्रयंबकेश्वर महादेव मंदिर और लक्ष्मण मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। राम झूला इसके करीब है। यह लक्ष्मण झूला से भी बड़ा पुल है। जानकी झूला पार करके परमार्थ निकेतन की गंगा आरती तक पहुंच सकते हैं। ऊपर से पूरा विहंगम नजारा, दोनों ओर कल-कल बहती गंगा, पीछे खूबसूरत पहाड़, साफ-सुथरे घाट कुदरत का सौंदर्य निहारते दिल खुश- खुश हो जाता है। इस पुल पर 3 लेन बनी है। बीच में पैदल यात्री और दोनों ओर दोपहिया वाहनों के आने-जाने का रास्ता।

नीलकंठ मंदिर ऋषिकेश के पुराने मंदिरों में से एक है। दिलचस्प है यह जानना कि 5500 फीट की ऊंचाई पर काफी घुमावदार पहाड़ी रास्तों से होकर गाड़ी ऊपर जाती है। रास्ते में एक ओर खाई, तो दूसरी ओर पहाड़, प्राकृतिक सौंदर्य के नजारों के दीदार करते हुए आप ऊपर तक पहुंचते हैं। मंदिर के पास झरना है, जो बरसात में तेजी से चलता है। मंदिर पर दर्शन के पहले लोग यहां स्नान करते हैं। सामने की पहाड़ी पर पार्वती मंदिर भी जा सकते हैं। प्रसाद और शॉपिंग आदि के लिए काफी दुकानें और खाने-पीने के रेस्टोरेंट्स भी यहां हैं।

बेशक, त्रिवेणी घाट यहां का प्रमुख घाट है, जो प्रमुख नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम स्थल है। यहां शिवजी की जटा से निकलती गंगा की एक सुंदर प्रतिमा है, तो अर्जुन को गीता ज्ञान देते हुए कृष्ण की मूर्ति। गंगा माता का मंदिर भी यहां है। सांझ ढले गंगा की शानदार आरती का अद्भुत अनुभव यहां कर सकते हैं। ऋषिकेश से 16 किलोमीटर दूर वशिष्ठ गुफा है, इस गुफा पर हजारों साल पहले वशिष्ठ ऋषि ने सिद्धि अर्जित की थी। यह ध्यान और साधना के लिए पवित्र और महत्वपूर्ण है। ऊंची पहाड़ियों से उतर कर यहां प्राकृतिक गुफा है। गुफा के पास ही एक शिवलिंग भी है। बीटल्स आश्रम की खूबसूरती अनूठी है। इसे 'चौरासी कुटिया' के नाम से भी जानते हैं। 10 साल पहले रॉक बैंड बीटल्स ने यहां काफी समय बिताया और 18 एकड़ में फैले इस आश्रम में कई गीत लिखे। जानी-मानी हस्तियां यहां योग और ध्यान के लिए आती हैं। यहां ध्यान और योग के लिए छोटी-छोटी कुटिया भी बनी हैं। आप यहां बीटल्स बैंड की बनाई हुई पेंटिंग भी देख सकते हैं। यहां गंगा किनारे परमार्थ निकेतन, गीता भवन और स्वर्ग आश्रम में ठहरने के कमरे कम दाम में उपलब्ध हैं। परमार्थ निकेतन सबसे बड़ा और रमणीय आश्रम है। यहां योग की कक्षाएं, आयुर्वेदिक और प्राकृतिक उपचार, प्रशिक्षण दिया जाता है। यह भी जानना खास है कि बच्चों को यहां वैदिक शिक्षा भी मिलती है।

काव्य-कोना

हौसला

माना राहो में कांटे हैं बहुत
अब रुकती नहीं चलती रहती हूँ मैं
पैरों में छाले ही क्यों न पड़ें
मरहम का दम भी रखती हूँ मैं
जाना है दूर भी बहुत
ये भरम भी रखती हूँ मैं
अपने को ज़िंदा हूँ
ये हौसला भी रखती हूँ मैं
ज़िन्दगी की नसीहतो को
सीख ही सही मान रखती हूँ मैं
मैं शाख से टूटा पत्ता नहीं
कि रौंध दोगे मुझे
फिर भी उड़कर मंज़िल को
पाने की चाह रखती हूँ मैं
द्रोपदी भी नहीं अब कि
कृष्ण की आस रखूँ
मैं अपनी आँखों मे बुने
सपने को ज़िंदा रख
परिन्दे सी उड़ान भरती हूँ मैं
मै नारी हूँ अबला नहीं
इसका भी मान रखतीं हूँ मैं
मैं नारी हूँ अबला नही
इसका भी मांन रखती हूँ मैं

स्मिता शुक्ला चित्रकार, कवियत्री, एक्टिविस्ट

एक दीया अर्पित

एक दीया उस देश को अर्पित
जन्म लिया जिस पावन धाम।
मन मे पाले समृद्धि की आशा
अपना भारत बने महान।।
एक दीया उस वीर पुरुष को
जिसने तैयार किया इतिहास।
उस लौ के प्रकाश से प्रकाशित
एक दीया अर्पित करता हूँ
उस भारत माता के लाल को ।
सीमा पर अडिग बैठा है
जो अपना सीना तान के।।
एक दीया उस किसान को अर्पित
जो स्वहा कर रहा अपने को।
खेतों में तो अनाज लह लहाती पर
पेट आग से जला रहा आप को।।
एक दीया उस माँ को अर्पित
जो झेल रही पारिवारिक तिरस्कार।
बेटा उनके धन्ना बनते
वो बैठी वृद्धा आश्रम के द्वार ।।
एक दीया उस योद्धा को अर्पित
जिसने डाल दिया था जान।
जिनके अथक परिश्रम से फिर
छुडा पाए हम कॅरोना से जान।।
एक दीया उनको भी अर्पित
जिनका छुटा अपनों से साथ।
अश्रु के दो बूंद समर्पित
जिनका छूटा अपनों से साथ।।
एक दीया अब राष्ट्र समर्पित
समर्पण का बस लिए भाव।
राष्ट्र रक्षा का मकसद अपना
होता रहे हरदम साकार।

कमलेश, भागलपुर

कभी-कभी ऐसा होता है कि कहीं भी आपका मन नहीं लगता. ऐसे में आपको कुछ वक्त के लिए लाइफ बोरिंग लगने लगती है. कहीं भी किसी चीज का प्वाइंट नजर नहीं आता. ऐसा लगता है जैसे किसी भी चीज का कोई मतलब नहीं है. ऐसे में आपको कभी-कभी कई बुरे ख्याल भी आने लगते हैं.

बोरिंग लाइफ को बना लें मजेदार

इन फीलिंग से निकलना बहुत जरूरी है क्योंकि आपके मन में कई निगेटिव ख्याल आने की वजह से इसका असर आप पर ही नहीं, बल्कि कई लोगों पर पड़ता है. इस फीलिंग से निकलने में कुछ टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं-

फील गुड वाली चीजें करें

खुद को समय दें

ज्यादातर लोगों के साथ कभी न कभी ऐसा होता ही है. ऐसे में इस फीलिंग से गुजरते वक्त कभी भी अपने काम को बंद न करें. डेली रूटीन में आप जो भी करते हैं, उसे जारी रखें. आपका ध्यान काम पर लगेगा, तो ऐसी फीलिंग या उदासी खुद ही कम हो जाएगी.

कुकिंग, म्यूजिक

इस फीलिंग से गुजरने का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई भी बात खुश नहीं कर पाएगी या फिर आप स्माइल भी नहीं कर पाएंगे, इसलिए उन कामों को करने की कोशिश करें, जिससे आपको फील गुड हो. जैसे, कुकिंग, घूमना, म्यूजिक या फिर पढ़ना.

किसी समस्या या बुरे हादसे को न सोचें

उदासी में अक्सर कुछ बुरे दिन याद आते ही हैं लेकिन इन्हें सोचते रहने से आपको सिर्फ जीरो ही हाथ लगता है, यानी इससे आपकी उदासी बढ़ सकती है, इसलिए ऐसी बातों को न सोचकर खुद को बिजी रखें.

बाहर घूमने जाएं

बाहर घूमने का मतलब यह नहीं है कि आप कहीं ट्रिप पर ही जाएं बल्कि अगर ट्रिप पर जाना पॉसिबल नहीं है, तो आप आसपास कहीं टहलने भी निकल सकते हैं. पार्क में बैठना और लोगों की एक्टिविटी को देखना, खासकर बच्चों को खेलते देखने से मन में पॉजिटिविटी आती है, इसलिए इन चीजों पर फोकस करें.

बच्चे पढ़ाई में अपना मन लगा सकें, इसके लिए उन्हें अलग-अलग विषयों को समझने की आजादी दें. कुछ समय बाद आप समझ पाएंगे कि उसे कौन सा विषय पसंद है. बच्चों को पढ़ाने की योजना बनाते समय उनकी विषयों को लेकर पसंद-नापसंद आपके लिए काफी काम की साबित होगी. बच्चे की पसंद को ऐसे समझें...

पूछते हैं सवाल

बच्चों को खेल-खेल में नये-नये विषयों के टॉपिक्स को समझाएं. उन्हें कुछ समय दें, ताकि वे विषयों को समझ सकें. धीरे-धीरे उनका लगाव देखकर आप यह पता लगाएं कि किस विषय की ओर बच्चे का झुकाव ज्यादा है. बच्चे अपने पसंदीदा विषय के बारे में अक्सर सवाल पूछते हैं. यह उनकी पसंद को बताता है.

बच्चे की पसंद को ऐसे समझें

फैमिली मेम्बर्स से राय लें

यदि आपको लगता है कि सही नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे, तो फैमिली मेम्बर्स से राय लें. उनका बच्चों को नोटिस करने का तरीका भी आपको कई बातें समझने में मदद कर सकता है. इस तरह आप बच्चे को बेहतर समझ सकते हैं.

उनके साथ घुलें-मिलें

बच्चे के साथ घुलें-मिलें. उनकी एक्टिविटीज में दोस्तों की तरह शामिल हों. इस उम्र में जितना बच्चों के करीब रहेंगे, उनकी पसंद-नापसंद को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे. इसके साथ ही वो खुद भी आपको अपने मन की बात कहने में कभी भी हिचकेंगे नहीं.

उनकी एक्टिविटी पर गौर करें

बच्चों की एक्टिविटी भी उनकी पसंद-नापसंद को बताती है. जैसे- वे भाषा पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं या अंकों और विज्ञान से जुड़े सवाल पूछ रहे हैं, इस पर गौर करें. इसके अलावा कई बच्चे स्पोर्ट्स एक्टिविटी या ड्राइंग-पेंटिंग पर फोकस करते हैं. इस पर ध्यान देकर उनकी पसंद जान सकते हैं.

बड़ी दाढ़ी रखने का फैशन लड़को में नया फैशन ट्रेंड है. हालांकि दाढ़ी रखने का चलन काफी पुराना है, लेकिन आज की जनरेशन को यह बेहद भा रहा है. दाढ़ी तभी चेहरे पर खूबसूरत दिखती है, जब दाढ़ी शेप में हो और उसके बाल हेल्दी और ग्लोइंग हों.

बढ़ते प्रदूषण और सर्दी का असर आपकी दाढ़ी की खूबसूरती को कम करता है. पॉल्यूशन की वजह से दाढ़ी के बाल कमजोर और बेजान होने लगते हैं और जल्दी-जल्दी टूटते हैं. सर्दी में दाढ़ी के बालों पर सबसे ज्यादा असर गर्म पानी का होता है. गर्म पानी दाढ़ी के बालों को ड्राई करता है और बालों का नेचुरल ऑइल कम करता है. अगर आप भी दाढ़ी रखते हैं तो सर्दी में अपनी दाढ़ी की इस तरह करें देखभाल.

ग्लो करेगी बेजान दाढ़ी

गर्म पानी से वॉश नहीं करें

सर्दी में दाढ़ी को वॉश करने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं करें. दाढ़ी के बालों के लिए गर्म पानी दुश्मन है. गर्म पानी से दाढ़ी की स्किन ड्राई हो जाती है, जिससे स्किन के नीचे से आवश्यक ऑइल नहीं निकल पाता. गर्म पानी दाढ़ी का माइश्चर छीन लेता है और यह देखने में बेकार लगती है.

कंडिशनर का यूज

दाढ़ी के बालों को स्मूथ और शाइन करने के लिए कंडिशनर का इस्तेमाल करें. बालों को वॉश करने के लिए शैंपू का इस्तेमाल कम और कंडीशनर का ज्यादा करें. शैंपू में सल्फेट होता है जो स्किन की नमी को कम करता है. हफ्ते में 2 दिन ही दाढ़ी को शैंपू से वॉश करें.

कंघी जरूर करें

अगर आप दाढ़ी रख रहे हैं, तो उसमें कंघी करने की आदत जरूर डालें. कंघी करने से स्किन में मौजूद नेचुरल तेल पूरी दाढ़ी तक पहुंचता है, साथ ही इससे ब्लड सर्कुलेशन भी ठीक रहता है. दाढ़ी में कंघी करने से बालों की ग्रोथ में भी इजाफा होता है.

ऑइलिंग

दाढ़ी में हर दिन बियर्ड ऑइल का जरूर इस्तेमाल करें. तेल से दाढ़ी में नमी बनी रहती है.

ट्रिमिंग कराएं

दाढ़ी अगर शेप में रहेगी तो आपके चेहरे पर खूबसूरत दिखेगी. दाढ़ी की ट्रिमिंग कराने के लिए नियमित रूप से सैलून जाएं.

साड़ी को ब्लाउज के साथ इस तरह करें टीमअप

वेडिंग सीजन में ज्यादातर महिलाओं की कोशिश ट्रेडिशनल वियर्स कैरी करने की ही होती है उसमें भी नंबर वन पर होती है साड़ी. तो अगर आपने इस मौके के लिए साड़ी खरीद ली है लेकिन अभी उसका ब्लाउज सिलवाना बाकी है और इसके लिए आप कुछ स्टाइलिश डिजाइन्स की तलाश कर रही हैं तो एक नजर डालें यहां दिए जा रहे ऑप्शन्स पर.

पफ स्लीव ब्लाउज

इसमें हाफ स्लीव ट्रांसपैरेंट और पफ स्लीव है तो वहीं हाफ स्लीव को टाइट रखा गया है. मतलब यहां एक ही ब्लाउज में दो तरह का स्टाइल कैरी किया जा सकता है, जो डेफिनेटली साड़ी के साथ परफेक्ट लगेगा.

शर्ट स्टाइल

कॉटन, खादी की साड़ी के साथ इस तरह के ब्लाउज बेहद जंचते हैं. तो अगर आप ऐसी साड़ी पहनने का सोच रही हैं तो उसे टीमअप करें इस तरह के ब्लाउज के साथ.

नूडल स्ट्रेप ब्लाउज

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक के लिए नूडल स्ट्रेप ब्लाउज का ऑप्शन चुनें. ये कॉटन, ऑर्गेन्जा, शिफॉन, जॉर्जेट ज्यादातर साड़ियों के साथ आसानी से टीमअप किए जा सकते हैं और लुक को तो ग्लैमरस बनाएंगे ही.

बोट नेक ब्लाउज

इस तरह का ब्लाउज भी साड़ी के साथ पेयर कर अलग और यूनिक लुक क्रिएट किया जा सकता है. बोट नेक के साथ लेस फैब्रिक का कॉम्बिनेशन है.

फुल स्लीव राउंड नेक ब्लाउज

हल्की ठंडक मे शॉल या जैकेट कैरी करने की जगह आप ब्लाउज फुल स्लीव वाला कैरी करें. ये बिल्कुल भी आउट ऑफ ट्रेंड नहीं. अच्छा लगने के साथ ही आपको कंफर्टेबल भी रखेगा.

होम डेकोर हो पॉकेट फ्रेंडली

घर में बिना बड़ा बदलाव किए व कम बजट में भी मनचाहे ढंग से उसे सजा सकते हैं और अपनी रचनात्मकता को भी मौका दे सकते हैं. लेकिन अगर आपका बजट ज्यादा नहीं है तो भी आप पॉकेट फ्रेंडली तरीकों से होम डेकोर करें..

अपने घर को परम्परागत लुक में सजाएं. इसके लिए आपको ज्यादा पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं है. आपकी पुरानी सिल्क की साड़ियों का सजावट में उपयोग करें. उसके अलावा पुराने पीतल के बर्तनों को होम डेकोर के लिए प्रयोग करें. किचन से निकले खाली डिब्बों को पेंट करके उन पर खूबसूरत डिजाइन बनाकर उन्हें पौधे लगाने के लिए प्रयोग करें

हैंगिंग लाइट्स से दें नया लुक

आप अपने लिविंग रूम की हैंगिंग लाइट्स से नया लुक दे सकती हैं. यह आपके साधारण से होम डेकोर में चार चांद लगा देगा. हैंगिंग लाइट्स का आप सबसे बेहतरीन उपयोग अपने घर की बालकनी को सजाने में कर सकती हैं. इसमें छोटे-छोटे लैंप्स के जरिये अपनी बालकनी को खूबसूरत बनाएं.

एंटीक्स से पुरानी सीढ़ी को सजाएं

आपके घर में छोटे-मोटे कार्यों के लिए काम आने वाली लकड़ी या लोहे की सीढ़ी का उपयोग भी आप क्रिएटिव ढंग से कर सकती हैं. इसे आप अपने घर की बालकनी में लाइट्स के साथ कुछ प्लांट्स रखकर सुंदर बना सकती हैं. उसके अलावा बेडरूम या लिविंग रूम में इस सीढ़ी पर आर्टिफिशियल पॉट्स, एंटीक्स और फोटोग्राफ्स रख सकती हैं.

सर्दियों में फर कुशन्स से बनाएं कोजी कॉर्नर

घर के एक कोने को सर्दियों के हिसाब से कोजी लुक देने के लिए आप फर कुशन्स का उपयोग कर सकती हैं. अपने लिविंग रूम में सोफे पर इन कुशन्स को रखें या फिर जमीन पर कॉफी टेबल या सेंटर टेबल के इर्द-गिर्द मैचिंग रंग बिछाकर फर कुशन्स लगा सकती हैं. बच्चों के खेलने के लिए हिसाब से भी यह कोजी कॉर्नर अच्छा रहेगा.

बन जाएं स्मार्ट शॉपर

शॉपिंग पर निकलते वक्त शायद ही कोई तैयारी करके निकलता होगा, जो एक गलत आदत है क्योंकि इस चक्कर में कई बार ऐसी वस्तुएं भी ले आते हैं जिसकी खास जरूरत भी नहीं होती. तो एक स्मार्ट शॉपर बनने के लिए बेहद जरूरी है इन चीजों को फॉलो करना.

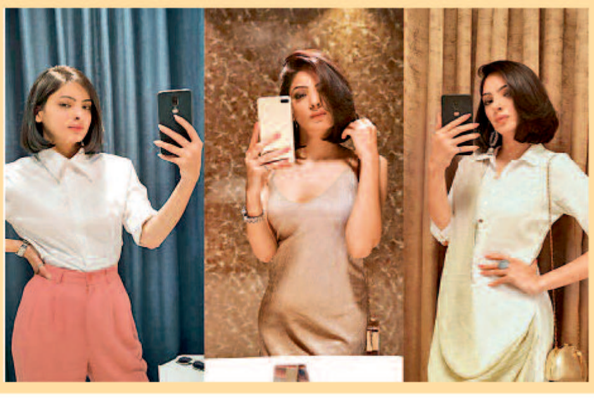

सामानों की लिस्ट बनाएं

खरीददारी चाहे ग्रासरी की हो, कपड़ों की, इलेक्ट्रॉनिक्स या फर्नीचर की, पहले घर की जरूरत के अनुसार लिस्ट तैयार करें. फिर अपनी सेविंग को मद्देनजर रख जरूरत के अनुसार सामान खरीदें. इसी प्रकार कपड़ों का वार्डरोब खोलकर सभी कपड़ों पर नजर डाल फैशन अनुसार ड्रेस लें, फिर चाहे वह बच्चों के लिए हो, अपने लिए या पति के लिए. इसी प्रकार शूज रैक भी चेक कर लिस्ट बनाएं. कौन सी चप्पल, जूते, सैंडल किसके लिए और कौन से रंग के लेने हैं, लिस्ट बनाएं. किराने, नमकीन, बिस्किट के लिए भी घर के स्टोरेज को चेक करने के बाद लिस्ट तैयार करें.

बजट को भी वरीयता दें

कुछ भी खरीदने से पहले अपने बजट का ध्यान रखना जरूरी होता है. चाहे आसान ईएमआई में सामान मिल रहा हो, पर चुकाना तो आपको ही है. इस बात का ध्यान रखें. बजट के बाहर जाकर स्वयं को तनावग्रस्त न बनाएं. स्मार्ट खरीदार बनें.

ट्रायल है जरूरी

अगर रेडीमेड कपड़े ले रहे हैं तो डमी पर डले कपड़ों को देखकर खरीदने की गलती न करें. घर के जिस भी सदस्य के लिए ड्रेस, जूते ले रहे हैं, एक बार पहनकर चेक कर लें कि साइज, कलर और डिजाइन आप पर फब रहा है या नहीं. इनके अलावा ये भी देख लें कि सिलाई वगैरह तो नहीं खुली हुई है. हालांकि इसके चांसेज कम ही होते हैं लेकिन फिर भी देख लें. दाग या कट भी देख लेना जरूरी है.

सेल की शुरुआत में जाएं

अगर सेल की खरीदारी करनी हो तो शुरू के दिनों में जाकर खरीदारी करें जिससे चॉइस करना आसान हो. सुबह के समय जाएं जब भीड़ भी कम होती है और सेल्समैन भी फ्रेश होते हैं. आराम से प्रोडक्ट्स दिखा सकते हैं और ट्रायल की लंबी लाइन में भी नहीं लगना पड़ता.

रिटर्न पॉलिसी और ऑफ्टर सेल सर्विस जान लें

इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स खरीदते समय दुकानदार से खरीदने के बाद सर्विस किस कंपनी की कैसी है, उसकी पूरी जानकारी लें. बाकी चीजें जो आप खरीद रहे हैं, पसंद न आने पर क्या वापस हो सकती हैं या उसके स्थान पर कुछ और खरीद सकते हैं या नहीं, इस बारे में पूरी जानकारी लें. कंपनियों की और दुकानदारों की रिटर्न पॉलिसी अलग होती है. उसकी जानकारी रखना आपको स्मार्ट खरीदार बना सकता है.

अंत में बिल लेना न भूलें

कोई भी खरीददारी करें तो बिल लेना न भूलें. कभी-कभी कुछ दिन के लिए कोई ऑफर होता है. अगर सामान बदलना पड़े तो बिल होने पर आसानी होगी.

गहनों की खोई हुई चमक को लाएं वापस

गहने श्रृंगार का जरूरी हिस्सा हैं लेकिन सुंदरता में चार चांद लगाने के लिए इनका चमकते रहना बहुत जरूरी है. कई बार सही रखरखाव न होने, तो कभी क्वालिटी खराब होने के चलते ये अपनी रंगत खोने लगते हैं. ऐसे में आपको कुछ ऐसे टिप्स एंड ट्रिक्स के बारे में पता होना चाहिए जिससे इनकी खोई हुई चमक को वापस लाया जा सके.

चांदी की ज्वेलरी

- चांदी की ज्वेलरी को 1 लीटर पानी में 1 छोटा चम्मच नमक व 1 छोटा चम्मच सोडा डालकर उबालें. 5 मिनट बाद निकालकर साबुन के पानी से धो लें और नरम कपड़े से पोंछ लें.
- चांदी की ज्वेलरी को चमकाने के लिए एक बर्तन में खाने वाला चूना, 1 नींबू का रस व पानी का घोल बनाएं और उसे गैस पर चढ़ा दें. अब इसमें चांदी के आभूषण डालकर कुछ देर उबालें और फिर उतार लें, कुछ देर के लिए रख दें. फिर ब्रश से रगड़ कर धो दें, आभूषण चमकने लगेंगे.
- चांदी की ज्वेलरी अगर काली पड़ जाए तो उन्हें एक पतीले में डालकर उसमें 3 गिलास पानी और 3 मध्यम आकार के आलू बारीक काटकर डालने व 10 मिनट तक उबालने पर वो फिर से चमकने लगते हैं.

सोने के जेवर

- सोने के गहनों को चमकाने के लिए उन्हें शक्कर मिले पानी से साफ करना चाहिए.
- सोने की ज्वेलरी को थोड़ी देर फिटकरी के पानी में डुबोकर फिर इमली के रस में धोने से वे चमक उठते हैं.
- सोने के गहनों को रीठे के पानी से साफ करने से वे बिल्कुल साफ हो जाते हैं.
- सोने के आभूषणों में चमक लाने के लिए उन्हें एक घंटे तक सिरका मिले पानी में डालकर रखें, फिर टूथब्रश की मदद से साफ कर लें.
- गोल्ड ज्वेलरीज को साफ करने के लिए उन्हें पहले साफ मुलायम कपड़े से पोंछ लें, फिर चुटकीभर हल्दी पाउडर लगाकर मुलायम कपड़े से रगड़ें. गहने नए से लगने लगेंगे.
- सोने के जड़ाऊ आभूषणों की चमक फीकी लगने लगे तो उन्हें चमकाने के लिए सफेद कपड़े में डालकर कुछ देर भाप दें, साफ हो जाएंगे.
- अगर सोने की चेन में गांठ लग जाए तो इस पर थोड़ा सा टेलकम पाउडर छिड़कने से गांठें खोलना आसान हो जाएगा.

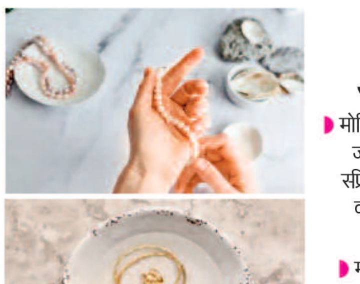

मोती के आभूषण

- मोतियों या नग वाली ज्वेलरी को रूई में स्प्रिट लगाकर साफ करें, ज्यादा चमक आती है.
- मोती के गहनों को चावल के आटे में मलकर साफ करें, पानी लगाए बिना.
- नकली मोती की ज्वेलरी चमकती रहे, इसके लिए उन्हें रूई में लपेटकर रखें.
- नकली मोती के आभूषणों को खरीदते ही हल्की सी परत रंगहीन नेलपेंट की चढ़ा दें, इससे वो काले नहीं पड़ेंगे.

घड़ी से अनलॉक होगी कार

कलाई में चाबी का काम करेगी स्मार्टवॉच

- इस तरह चाबी खोने का भी डर नहीं होगा क्योंकि स्मार्टवॉच तो इंसान की कलाई पर रहेगी और वही चाबी है, तो खोने का कोई डर नहीं होगा.
- इस स्मार्टवॉच में एक सैफाइअर ग्लास स्क्रीन और रबर स्ट्रैप्स मिलेंगे. इसके बाद, आपको इसमें स्टेप्स काउंटर, एक्सरसाइज पेडोमीटर, हार्ट रेट मॉनिटर, स्लीप मॉनिटर और तापमान नापने की सुविधा के साथ और भी कई सारे हेल्थ फीचर्स मिलेंगे.

BYD ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट कार में एक नया फीचर एड करना शुरू किया है जिससे स्मार्टफोन के साथ स्मार्टवॉच से भी गाड़ी को अनलॉक कर सकेंगे. BYD जल्द अपनी एक खास स्मार्टवॉच भी लॉन्च करने जा रही है, जिससे उनकी गाड़ियों को अनलॉक किया जा सकेगा. इस स्मार्टवॉच में स्मार्ट इग्निशन, कम्फर्टेबल एंट्री, स्मार्ट लॉकिंग, शीशों को ऊपर और नीचे करने की सुविधा और टेलगेट को खोलने के फीचर्स मिलेंगे. BYD की इस स्मार्टवॉच में गाड़ी को लॉक और अनलॉक करने का भी फीचर होगा. इन गाड़ियों के मालिकों को चाबी की जरूरत नहीं पड़ेगी. वो लोग बिना चाबी लिए, बस अपने स्मार्टवॉच के साथ गाड़ी को लेकर घर से निकल सकते हैं.

मैजिक चार्जर

यूबॉन ने एक मैजिक चार्जर यूबॉन CH 99 पेश किया है, जो कि 4 इन 1 चार्जर है. यानी एक ही चार्जर से 4 डिवाइस चार्ज कर सकते हैं. इसमें मोबाइल होल्डर भी मिल रहा है, जिससे मोबाइल चार्जिंग के दौरान आप अपने फोन को चार्जर के होल्डर में ही रख सकेंगे.

यूबॉन CH 99 के साथ दो चार्जिंग प्वाइंट भी मिल रहे हैं जो कि USB पोर्ट हैं. इस मैजिक चार्जर को इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि आप ट्रैवल करते समय भी इसे लेकर आसानी से जा सकते हैं. यूबॉन CH 99 के साथ 2.6 एंपियर और 2.6 एंपियर की फास्ट चार्जिंग मिलेगी. इसका इनपुट 140-270V है. यूबॉन के इस मैजिक चार्जर के साथ 1 मीटर का माइक्रो USB केबल भी मिल रहा है. इसके साथ बॉक्स में एक कैरी बैग भी मुफ्त में मिलेगा. यह वोल्टेज को अप-डाउन को भी कंट्रोल करता है और आपकी डिवाइस को जितने पावर की जरूरत होगी, यह उतना ही पावर सप्लाई करेगा.

स्मार्ट प्लग

बोलकर कर सकेंगे ऑन-ऑफ

पोर्टोनिक्स ने 2 किफायती वाई-फाई स्मार्ट प्लग्स- Splug 10 और Splug 16 लांच किया है. ये वाई-फाई स्मार्ट प्लग आपके अप्लायन्सेज को इंटेलीजेंट बनाएंगे, जो एलेक्सा और गूगल असिस्टेंट इनेबल वॉइस कंट्रोल फीचर के साथ भी काम करेंगे. आप किसी नई वायरिंग या नए सेटअप के बिना ही इन स्मार्ट वाई-फाई प्लग को सॉकेट में प्लग कर सकते हैं और किसी भी डिवाइस को स्मार्ट डिवाइस में बदल सकते हैं. Splug 10 और Splug 16 इंटेलीजेंट एनर्जी मॉनिटरिंग सिस्टम के साथ उपभोक्ताओं को स्मार्ट होम का अनुभव प्रदान करेंगे. साथ ही ये प्लग इस्तेमाल में भी बेहद आसान हैं. यूजर को इन्हें सिर्फ सॉकेट में प्लग करना है, इन्हें वाई-फाई नेटवर्क के साथ कनेक्ट करना है और वे पोर्टोनिक्स स्मार्ट होम मोबाइल एप्लीकेशन के साथ किसी भी डिवाइस को कनेक्ट कर सकते हैं. 10 एम्पियर और 16 एम्पियर के ये स्मार्ट प्लग 2.4 GHz एलेक्सा और गूगल असिस्टेन्ट फॉर वॉइस कंट्रोल के साथ इनेबल्ड वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ आते हैं.

मोबाइल एप और एनर्जी मीटरिंग

पोर्टोनिक्स स्मार्ट होम के माध्यम से अपने स्मार्ट प्लग को मोबाइल फोन से कनेक्ट कीजिए और आप दुनिया के किसी भी हिस्से में बैठकर अपने होम अप्लायंसेज को स्विच ऑन और ऑफ कर सकते हैं. दोनों स्मार्ट प्लग्स के उपयोग से आपकी डिवाइस से बिजली की खपत कम हो जाएगी, क्योंकि इनका स्मार्ट मीटरिंग फीचर हर अप्लायन्स में बिजली की खपत पर पूरा नियंत्रण रखता है. दोनों स्मार्ट प्लग्स पॉलिकार्बोनेट से बने हैं, जो इसे फायर रेजिस्टेंट और टिकाऊ बनाता है.

स्मार्टफोन में वर्चुअल रैम

ZTE ने अपने फ्लैगशिप स्मार्टफोन ZTE Axon 30 Ultra के Aerospace Edition को लांच कर दिया है. यह दुनिया का पहला डिवाइस है, जिसमें 18GB रैम और 1TB की इंटरनल स्टोरेज दी गई है. इसमें तीन 64MP के कैमरे और एक टेलीफोटो लेंस दिया गया है. स्मार्टफोन में वर्चुअल रैम का भी सपोर्ट मिलेगा. इसमें 6.67 इंच का एफएचडी प्लस कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो HDR 10+ सपोर्ट करता है. इसका रिफ्रेश रेट 144Hz है. इस फोन में क्वालकॉम का Snap-dragon 888 प्रोसेसर है.

यह डिवाइस लेटेस्ट ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है. इसमें क्वाड रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें 3 लेंस 64MP के हैं. जबकि इसमें एक 8MP का पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस दिया गया है. इसके अलावा यूजर्स को स्मार्टफोन वीडियो कॉलिंग और सेल्फी के लिए 16MP का कैमरा मिलेगा. एडिशन में 4600mAh की बैटरी दी है, जो 65 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है. डिवाइस में वाई-फाई, जीपीएस, ब्लूटूथ और यूएसबी टाईप-सी पोर्ट जैसे फीचर्स मिलेंगे.

हमारे प्यारे वन्य जीवः

बारहसिंगा

कविता माथुर, जयपुर

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार,

बच्चों, हिरण परिवार के एक सदस्य 'बारहसिंगा ' को देखते ही मेरी आँखें चमक जाती हैं । क्योंकि उनके सिर पर बारह सींगों के उगने से मुझे वो बड़े ही शाही और सुंदर नज़र आते हैं । अपने दादाजी के पुश्तैनी मकान की बैठक में मैंने इन्हें सजा हुआ देखा था , जिनसे मैं बचपन में तो प्रभावित रहती थी , लेकिन वक़्त के साथ जब ये समझ आया कि इन्हें इनके लज़ीज़ मांस के लिए शिकार करके मारा गया था, तब से मेरा दिल एक अजीब सी वितृष्णा से भर चुका है।

ये प्यारे और भोले जीव , जिन्हें हम स्वाम्प-डिअर भी कहते हैं, आज IUCN (International Union for Conservation of Nature) की Vulnerable-list में हैं ।

बच्चों, बारहसिंगा की तीन प्रमुख प्रजातियाँ हैं जिनमें से वेस्टर्न प्रजाति नेपाल के बार्डिया नैश्नल पार्क में, ईस्टर्न प्रजाति आसाम के काज़ीरंगा व दुधवा नैश्नल पार्क में तथा सदर्न प्रजाति भारत के मध्य व उत्तरी भागों में पायी जाती है। बारहसिंगा यहाँ की एन्डैमिक जीव हैं , कहीं और नहीं मिलते , लेकिन जैसा कि होता आया है , इंसानों के लालच ने चाहे वो इनके खूबसूरत सींगों को ट्रॉफ़ी के रूप में सजाने के लिए हो या मीट के लिए, इन्हें मार मार कर संख्या इतनी कम कर दी कि मध्यप्रदेश सरकार जागृत हुई और उसने इनके शिकार पर पाबंदी लगा दी। तब से कान्हा नेशनल पार्क में इसे संरक्षण दिया जा रहा है और इनकी संख्या 1000 के क़रीब बताई जाती है । कान्हा मांडला और बालघाट के बीच की सतपुडा पहाड़ियों में स्थित है । 2015 से 2021 की फ़रवरी तक क़रीब 58 बारहसिंगे सतपुडा नैशनल पार्क में ट्रांसलोकेट किये गये हैं ।

1960 में हिंदुस्तान में इनकी तादाद 1600 -2150 के बीच और नेपाल में 1600 थी। मगर मुख्यतः शिकार के कारण और साथ ही ग्रासलैण्ड्स को क्रॉपलैण्ड्स में कन्वर्ट करने के कारण ये निरंतर कम होते चले गये । कभी पाकिस्तान में भी हुआ करते थे मगर आज वहाँ ये लुप्त हो गए हैं ।

ये ज़्यादातर घास या जलीय पौधे ही खाते हैं । एक प्रकार की स्वाम्प में पाई जाने वाला पौधा जो बिल्ली की पूँछ सरीखा दिखने की वजह से 'कैटटेल्स' कहलाता है , इन्हें बहुत पसंद है।

ये पीत मिश्रित भूरे रंग के होते हैं । ये 44-46 इंच तक ऊँचे और 6 फीट तक लंबाई लिये हो सकते हैं । अपनी पार्टनर को पाने के लिए आपस में मेल बारहसिंगे सींगों से लड़ाई करते हैं।

सितंबर से अप्रैल तक इनका ब्रीडिंग -सीज़न होता है और तक़रीबन 240-250 दिनों के जैस्टेशन पीरियड के बाद अगस्त से नवंबर के बीच ये सिर्फ़ एक शावक को जन्म देते हैं ।

अब आप व्हाट्सएप पर खुद अपना स्टिकर बना सकेंगे. इसके बीटा वर्जन पर खुद से स्टीकर बनाने वाला फीचर देखा गया है. बीटा वर्जन पर हो रही टेस्टिंग के मुताबिक आप फोन में पड़ी किसी फोटो से अपना स्टिकर बना सकेंगे. लेकिन समस्या यह है कि खुद से स्टिकर बनाने की सुविधा डेस्कटॉप वर्जन के लिए आ रही है. यदि आप व्हाट्सएप डेस्कटॉप का बीटा वर्जन इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपको यह फीचर मिलेगा.

अब खुद बनाओ अपना स्टिकर

सबसे पहले उस कॉन्टेक्ट को चुनें जिसे आप स्टीकर भेजना चाहते हैं. अब अटैचमेंट वाले बटन पर क्लिक करें. नीचे से दूसरे नंबर पर स्टिकर का आइकन दिखेगा. इस आइकन पर क्लिक करते ही व्हाट्सएप आपसे वह फोटो मांगेगा जिसका आप स्टीकर बनाना चाहते हैं. बस फोटो को अपलोड करें और स्टिकर सेंड करें. ऐसे में देखा जाए तो यह बहुत ही आसान है. भेजने से पहले स्टिकर को एडिट करने का भी विकल्प मिलेगा. आप स्टिकर को क्रॉप कर सकते हैं, उसमें इमोजी एड कर सकते हैं, उस पर कुछ टेक्स्ट लिख सकते हैं.

4 डिवाइस पर एक साथ चलाएं

व्हाट्सएप ने हाल ही में डेस्कटॉप के बीटा वर्जन पर मल्टीपल डिवाइस का सपोर्ट दिया है, जिसके बाद आप एक ही व्हाट्सएप अकाउंट को 4 अलग-अलग डिवाइस पर एक्सेस कर सकते हैं, हालांकि यह फीचर भी अभी बीटा वर्जन में ही है.

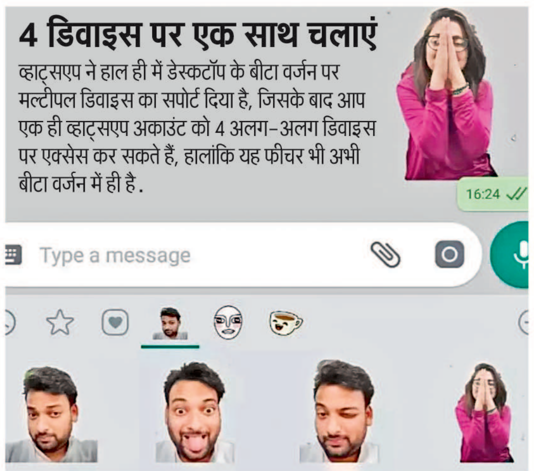

कार की बॉडी से बना फोन

कैवियर ने एक कार को पिघलाकर एक फोन तैयार किया है. इलेक्ट्रिक कार टेस्ला मॉडल 3 को पिघलाकर फोन की बॉडी बनाई गई है. यह मॉडल लेटेस्ट कस्टमाइज्ड आईफोन 13 हैंडसेट है, जो कंपनी के पोर्टफोलियो जिसमें रोलेक्स इंस्पायर्ड, गोल्ड प्लेटेड और एक डायनासोर टूथ स्पोर्टिंग आईफोन 13 प्रो मॉडल की लाइनअप में शामिल होता है. हालांकि, इस वेरिएंट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका फ्रेम ब्लैक पीवीडी कोटिंग के साथ टाइटेनियम से बना है.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाली Fire वॉच

बोल्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाली स्मार्टवॉच Fire Boltt AI को भारत में पेश किया है. इसमें ब्लूटूथ कॉलिंग की सुविधा दी गई है. इस स्मार्टवॉच में एपल सिरी और गूगल असिस्टेंट दोनों का सपोर्ट दिया गया है. इस वॉच में कॉल हिस्ट्री भी मिलेगी. वॉच के साथ डायलपैड और कॉन्टेक्ट को सेव करने की भी सुविधा है. कॉलिंग के लिए इस वॉच में आपको माइक और स्पीकर भी मिलेगा. इसमें अलार्म, वेदर अपडेट, सेडेंटरी रिमाइंडर, मेंस्ट्रुअल रिमाइंडर, हार्ट रेट ट्रैकिंग, ब्लड ऑक्सीजन ट्रैकिंग और ब्लड प्रेशर ट्रैकिंग जैसे फीचर्स मिलेंगे. Fire Boltt AI में 1.7 इंच की HD डिस्प्ले मिलेगी जिसका रिजॉल्यूशन 240x280 पिक्सल है. इसमें 10 इन-बिल्ट स्पोर्ट्स मोड और स्ट्रेस मैनेजमेंट सिस्टम भी है. इसे वाटरप्रूफ के लिए IP67 की रेटिंग भी मिली है. इसकी बैटरी को लेकर 10 दिनों के बैकअप का दावा किया गया है.

कहानी संग्रह ज़मीन आसमान विमोचन समारोह सम्पन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। टोंक रोड स्थित रेस्टोरेंट्स में अनुकृति प्रकाशन के तत्वावधान में लेखक अशोक अजनबी के कहानी 'जमीन आसमान' का विमोचन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में इस समारोह की अध्यक्षता कर रही डॉ शारदा कृष्ण, मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री टीकम चंद अंजाना, मुख्य वक्ता डॉ.अखिल शुक्ला अधिवक्ता एवं अध्यक्ष हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान, और विशिष्ट अतिथि श्री अशोक राही, प्रकाशन की संपादक डॉ जयश्री शर्मा ,रेनू शब्दमुखर ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने सरस्वती दीप प्रज्वलन किया व कवयित्री डॉ. सुशीला शील ने मधुर कंठ के सरस्वती वंदना के गायन से सभी को मंत्रमुग्ध किया। मुख्य अतिथि अंजना ने समीक्षात्मक टिप्पणी में कहा कि अशोक की कहानियां आस पास के जीवन से जुड़ी हुई सरस कहानियां है जो उनके संवेदनशील ह्रदय की सोच व कल्पनात्मक मिले जुले रूप को दर्शाती है।

मुख्य वक्ता डॉ अखिल शुक्ला ने कहा कि अशोक अजनबी द्वारा लिखित जमीन आसमान नामक कहानी संकलन की कहानियां सत्यम शिवम सुंदरम की साधना पर आधारित है।

डॉ जयश्री शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि जमीन आसमान कहानी संग्रह वर्ग भेद को मिटाती,नारी सशक्तिकरण, गुरु के प्रति शिक्षा कर्तव्य, नैतिक मूल्यों की रक्षार्थ हेतु समाज को संदेश व सकारात्मक सोच वाली कहानियां है अंत में साहित्यकार जीनस कँवर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।मंच संचालन रेनू शब्दमुखर सहसचिव, राजस्थान लेखिका साहित्य संस्थान द्वारा किया गया।

दो पुस्तकों का विमोचन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 'नारी कभी ना हारी' साहित्य संस्थान एवं सपनाज ड्रीम्ज़ ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रीमती नीलम सपना शर्मा की दो पुस्तकों सपनाज ड्रीम एंड डेज़र्ट (यात्रा वर्णन) एवं अस्मिता (कहानी संग्रह) का विमोचन समारोह सम्पन्न हुआ।सुशीला शर्मा की मधुर आवाज़ में माँ सरस्वती की वन्दना ने माहोल को साहित्यिक बना दिया।

नारी भी न हारी की सचिव कमलेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता गलतापीठ के परमपूज्य अवधेशाचार्य जी ने की।उन्होंने भारतीय संस्कृति के ग्रंथों का उदाहरण देते हुए वर्तमान पीढ़ी को प्रेरणा प्रदान की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर बजरंग सोनी ने अपने वक्तव्य में नारी ओर नर में नारी की श्रेष्ठता ओर उसकी सहनशीलता के उदाहरण देते हुए 'अस्मित' पुस्तक से प्रेरणा लेने की बात कही।डॉक्टर सोनी का भावपूर्ण कथन नारी की पीड़ा से रूबरू करवा रहा था।

भीलवाड़ा से पधारे सुप्रसिद्ध समीक्षाकार श्री सतीश व्यास 'आस' ने पुस्तकों का गहन अध्याय कर अपने विचार रखे।पुस्तकों का विमोचन होने के बाद पुस्तक चर्चा श्रीमती डॉक्टर आशा शर्मा ने की।श्री अनिल कौशिक ने संस्थान की उन्नति के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रस्तुत की।अंत में पुस्तक लेखिका नीलम सपना शर्मा ने अपने पुस्तक सम्बंधी अनुभव साँझा किए।

मंच का संचालन श्रीमती रानी तंवर ने किया।धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती शकुन्तला शर्मा ने किया।

आत्मनिर्भरता महिला सशक्तिकरण की पहली शर्त है : अपराजिता

जयपुर। रविवार को जयपुर के एक कैफे में कला मंज़र संस्था और शिल्पायन प्रशिक्षण संस्थान के साझा प्रयासों से आयोजित मासिक टॉक शॉ 'अपराजिता' की तीसरी श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें इसबार मुख्य वक्ता के रूप में ऑटो चालक, रंगकर्मी, नृत्यांगना हेमलता कुशवाह को आमंत्रित किया गया। इस बार के आयोजन की विशेष बात ये रही कि इसमें शहर के कुछ प्रमुख NGO के संचालक उपस्थित रहे जिन्होंने नए साल में एक दूसरे के सहयोग को बढ़ाने व साथ में आयोजन करने की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया।

अपराजिता के मंच को विस्तार देने की बात भी कही गई। डिवाइन सौल संस्था की ओर से तुलसी का पौधा उपहार स्वरूप दिया गया। इसबार का टॉक शॉ आखिरी में संगीतमयी शाम में बदल गया सभी ने गीत व नृत्य के साथ जाते हुए साल को विदा करते हुए मंगलकारी नववर्ष के लिए कामना की और नववर्ष में टॉक शॉ को नया रूप देने पर भी विचार विमर्श किया।

टॉक शॉ में शोभा सक्सेना, मीनाक्षी माथुर, ज्योत्स्ना माथुर, मधु सोनी, अनु सोगानी , शिप्रा माथुर , लीना शर्मा , शिवानी जयपुर , सुशीला चौधरी , मीनल सक्सेना , इति झा , कुमुद चतुर्वेदी , आकांक्षा भटनागर , सुरभि अग्रवाल , सुमन जोधपुरी , सपना पाठक , अनिल अग्रवाल , रमेश शर्मा , अखिलेश शर्मा, नीरव शर्मा उपस्थित रहे।

राज्यपाल को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर झण्डा भेंट

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर मंगलवार को यहां राजभवन में सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर (से.नि.) वीरेन्द्र सिंह राठौड़ ने मुलाकात की। राज्यपाल श्री मिश्र को इस अवसर पर श्री राठौड़ ने झण्डा लगाकर सहयोग राशि प्राप्त की। राज्यपाल मिश्र ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर देश के बहादुर जवानों और उनके परिजनों का आभार प्रकट किया। उन्होंने देश की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए प्राणोत्सर्ग करने वाले शहीदों को नमन भी किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि हम सभी को सशस्त्र सेना झण्डा कोष में योगदान देकर सशर्स्त सेनाओं के प्रति सम्मान प्रकट करना चाहिए।

11 दिसम्बर जन्मदिन पर विशेष...

अभिनय सम्राट दिलीप कुमार

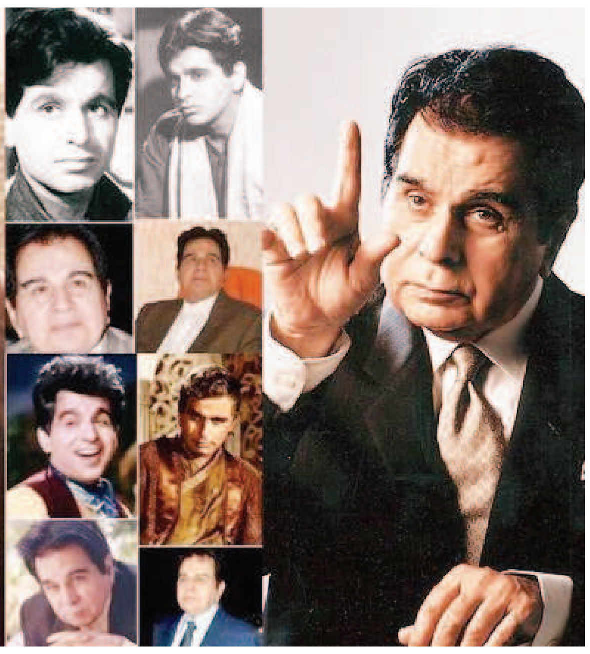

दिलीप कुमार उर्फ मोहम्मद युसुफ़ ख़ान भारतीय हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता रहे। ये अपने दौर के बेहतरीन अभिनेता रहे। त्रासद भूमिकाओं के लिए मशहूर होने के कारण उन्हे 'ट्रेजडी किंग' भी कहा जाता था। दिलीप कुमार को भारतीय फ़िल्मों में यादगार अभिनय करने के लिए फ़िल्मों का सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार के अलावा पद्म भूषण, पद्म विभूषण और पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान-ए-इम्तियाज़' से भी सम्मानित किया जा चुका है। ये हिन्दी फ़िल्मों के एक प्रसिद्ध और लोकप्रिय अभिनेता थे जो भारतीय संसद के उच्च सदन राज्य सभा के सदस्य भी रहे। इनको भारत तथा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में गिना जाता है, उन्हें दर्शकों द्वारा 'अभिनय सम्राट' के नाम से पुकारा जाता है।

दिलीप कुमार की शादी अभिनेत्री सायरा बानो से वर्ष 1966 में हुई। विवाह के समय दिलीप कुमार 44 वर्ष और सायरा बानो की 22 वर्ष की थीं। सायरा साया बनकर जीवन भर उनके साथ रहीं किंतु उम्र के साथ यूसुफ उर्फ दिलीप कुमार को सांस लेने में तकलीफ होने लगी और इसके चलते मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया। इस तकलीफ़ के चलते, 98 साल की उम्र में 7 जुलाई 2021 को सुबह निधन हो गया। इनका जन्म 11 दिसम्बर 1922 को हुआ था।

इन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'ज्वार भाटा' से की, जो वर्ष 1944 मे आई। हालांकि यह फिल्म सफल नहीं रही। उनकी पहली हिट फ़िल्म 'जुगनू' थी। 1947 में रिलीज़ हुई इस फ़िल्म ने बॉलीवुड में दिलीप कुमार को हिट फ़िल्मों के स्टार की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया। 1949 में फ़िल्म 'अंदाज़' में दिलीप कुमार ने पहली बार राजकपूर के साथ काम किया। यह फ़िल्म एक हिट साबित हुई। दीदार (1951) और देवदास (1955) जैसी फिल्मों में गंभीर भूमिकाओं के लिए मशहूर होने के कारण उन्हें ट्रेजडी किंग कहा जाने लगा। मुग़ले-ए-आज़म (1960) में उन्होंने मुग़ल राजकुमार जहाँगीर की भूमिका निभाई। 'राम और श्याम' में दिलीप कुमार द्वारा निभाया गया दोहरी भूमिका (डबल रोल) आज भी लोगों को गुदगुदाने में सफल साबित होता है। 1970, 1980 और 1990 के दशक में उन्होंने कम फ़िल्मों में काम किया। इस समय की उनकी प्रमुख फ़िल्में थीं- क्रांति (1981), विधाता (1982), दुनिया (1984), कर्मा (1986), इज़्ज़तदार (1990) और सौदागर(1991)। 1998 में बनी फ़िल्म 'किला' उनकी आखिरी फ़िल्म थी। उन्होने रमेश सिप्पी की फिल्म शक्ति में अमिताभ बच्चन के साथ काम किया। इस फिल्म के लिए उन्हें फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार भी मिला।

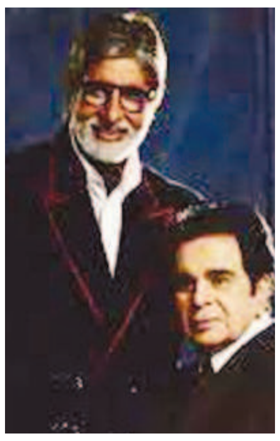

पेट के कीड़े दूर करने के घरेलू उपाय

पेट में कीड़े होना एक आम समस्या है। आमतौर पर ये बीमारी छोटे बच्चों को होती है पर बड़े भी इससे अछूते नहीं हैं। आज हम आपको पेट में कीड़ों की समस्या यानि कृमि रोग (वॉर्म डिजिज) के विषय में विस्तार से बताएँगे।

अगर मल त्याग करने पर पता चले की मल में छोटे सफेद कीड़े हैं, या फिर मल त्याग मार्ग पर खुजली की समस्या होती है तो यह कृमि रोग यानि पेट में कीडे होने का रोग हो सकता है।

■ पेट में कृमि रोग होने के लक्षण क्या हैं?

व्यक्ति सोते हुए अपने दाँत पीसता है, कई बार नाक में खुजली होती है, मल में सफेद कीड़े दिखना, त्वचा में रूखापन आ जाना, जीभ का रंग सफेद रहना, गालों पर धब्बे दिखना, आँखों का लाल रहना, हल्का सा बुखार आना, पेट दर्द की समस्या रहना, मितली आना, भोजन में अरुचि होना, शरीर में कमज़ोरी महसूस होना।

■ पेट में कीड़ों की समस्या का मुख्य कारण क्या होता है?

भूख ना लगने पर खाना खाने की आदत, गंदे हाथों से भोजन खाना,मक्खियों से दूषित हुआ भोजन ग्रहण करना, खट्टी-मीठी वस्तुओं का अधिक सेवन, मैदा, रायता, दही, कढ़ी, पिसा हुआ अन्न, अशुद्ध अथवा दूषित पानी पीना, शरीर की प्रति रक्षा प्रणाली (इम्यूनिटी सिस्टम) कमज़ोर पड़ने से पेट में कीड़े पड़ जाते है।

■ कृमि रोग समस्या होने पर किन चीजों से दूरी बनाये रखें

नमकीन खाना, मांस, मछ्ली, बेसन के पकवान, आलू, लाल मिर्च, मूली, दूध, दही, देशी घी, अन्डा, खटाई, बासी वस्तु खाना, देर रात जागना, दिन के समय निंद्रा करना, शरीर पर मालिश करना, मदिरा, सिगरेट का सेवन करना।

■ कृमि रोग समस्या होने पर किन चीजों का सेवन लाभदायक होगा

आवला, संतरा, अदरक का रस एवं चटनी, शहद, नींबू, मूंग, पुराने चावल, हींग, अजवायन का रस, अन्नानास का रस, सरसों का साग, राय, जीरा, लौकी, करेला, परवल, तोरई, बथुआ, कांजी, अरहर, और सेब का सेवन करने से कृमि रोग का जोर कम होने लगता है।

■ पेट के कीड़ों की समस्या दूर करने के लिये घरेलू उपचार

50 ग्राम सोनामक्खी, 50 ग्राम गुलकंद, 20 ग्राम मुनक्का, 20 ग्राम शहद, 20 ग्राम हरड़ की छाल, 20 ग्राम सौठ, इन चारों को मिश्रित कर के छोटी छोटी गोलीयां तैयार कर लीजिये। इन गोलियों को दूध के साथ लेना अत्यंत लाभदायक होता है। इस प्रयोग से कुछ ही दिन में पेट के कीड़े मर जाते हैं। इन गोलियों को दिन में दो से तीन बार ले सकते हैं।

चीनी, नमक और कली का चूना-तीनों को 2-2 ग्राम ले लीजिये, और 200 मिली पानी में डाल दीजिये। अब उस पानी में से 20 मिली लीटर पानी पियें कुछ दिन इस प्रयोग को लगातार करने से कृमि रोग दूर होगा।

जैतून का तेल और तेज़पत्ता समान मात्रा में ले कर इसे मिला लेने से और इस मिश्रित तेल को गुदा द्वार पर लगा लेने से कृमि रोग में राहत मिलती है। 3 ग्राम गुड़ लें उसमें कबीला मिला लें इन दोनों को साथ खाने से भी पेट के कीड़े दूर होंगे। प्याज का रस पीने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। प्याज के रस में सेंधा नमक मिला कर पीने से अधिक लाभ होता है। प्याज का रस शहद के साथ मिला कर पीने से

भी कृमि रोग में लाभ होगा।

कृमि रोग दूर करने के लिये काली मिर्च भी उत्तम उपाय है। 20 से 25 ग्राम पुदीने के साथ 10 ग्राम काली मिर्च के चूरन को छाछ के साथ पी लें। इस प्रयोग को एक हफ्ते तक लगातार करने से पेट में उपस्थित कृमि नष्ट हो जाते हैं। गुड़ और लहसुन समान मात्रा में ले कर खा लेने से पेट के कीड़े मरते हैं। अखरोट को गरम दूध के साथ लेने से इस रोग में लाभ होता है। प्रति दिन पके हुए नारीयेल का पानी पीने से लाभ होता है। कद्दू के रस को रोज़ाना पीने से पेट के कीड़े नाश होते हैं। शहद के साथ काले जीरे का चूर्ण लेने से पेट के कीड़े साफ होते हैं। हींग खाने से पेट के कीड़े मरते हैं। हींग में थोड़ा पानी मिला कर गुदा मार्ग पर लगाने से भी राहत होती है।

पोदीने का रस पीने से कृमि मर जाते हैं। नींबू और पुदीने का रस मिला कर पीने से अधिक लाभ होता है।

नीम, हल्दी तथा त्रिफला तीनों को समान मात्रा में ले कर मिला लें और फिर इस चूरन का सेवन करें इस चूरन के सेवन से तो कृमि रोग और कुष्ट रोग भी दूर हो जाता है।

मसूर की दाल नियमित खाने से पेट के कीड़ों की समस्या नहीं होती है।

नीम की छाल का काढ़ा, चिरायता, तुलसी का रस, तथा नीम का तेल मिला कर पीने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। और कृमि रोग से उत्पन्न हुए दर्द में भी राहत मिलती है।

गौमूत्र के साथ पीसी हुई राई का चूरन लेने से भी कृमि रोग दूर होगा। राई का चूरन एक या आधा चम्मच 100 एमएल गौमूत्र के साथ घोल कर पी जाएँ। संतरे का रस दिन में दो से तीन बार पीने से पेट के कीड़े मरते हैं।

मूली खाने से भी पेट के कीड़े मर जाते हैं।

भोजन लेने के करीब 30 से 60 मिनट बाद एक गिलास गुनगुना गरम पानी पीने से पेट के कीड़े मर सकते हैं। याद रहे की पानी ठंडा भी ना हों और अधिक गरम भी ना हों।

गिलोय के चूर्ण में अश्वगंधा का चूर्ण मिश्रित कर के उसे शहद के साथ लेने से पेट के कीड़े मरते हैं और कृमि रोग के के कारण उत्पन्न हुए पेट दर्द से भी राहत मिलती है।

हृदय स्वस्थ रखने के 7 उपाय

क्या आप जानते हैं?

भारत में लगभग 3 करोड़ हृदय रोग के मरीज हैं और यहाँ हर साल करीब 2 लाख सर्जरी परफॉर्म की जाती है। जैसे-जैसे इंसान तकनीकि रूप से एडवांस होता जा रहा है वैसे-वैसे ही वो तमाम तरह की जीवन-स्टाइल बीमारियों से ग्रस्त होता जा रहा है और ऐसे ही एक खतरनाक और तेजी से बढ़ने वाली बीमारी है हृदय रोग। पहले जहाँ ये समस्या बुजुर्ग लोगों में पायी जाती थी वहीं अब कम उम्र के बच्चों और नौजवानों तक में इसे देखा जा सकता है इसलिए आज हम आपको अपना हृदय स्वस्थ रखने के 7 आसान उपाय बता रहे हैं. इन्हें अपनाइए और दिल की बीमारियों से दूर रहिये और एक स्वस्थ एवं मजबूत दिल के मालिक बनिए।

ग्रीन टी का प्रयोग करें

इसमें एन्टीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो आपके कॉलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और ये बी.पी. को कन्ट्रोल करने में भी मददगार होते हैं। इसमें कुछ ऐसे तत्व भी पाए जाते हैं जो केन्सर को बढ़ाने वाले सेल्स को मारते हैं। ये असमान्य खून के क्लोटिंग को भी रोकती है , जिस वजह से ये स्ट्रोक्स रोकने में भी सहायक है।

जैतून के तेल का प्रयोग करें

खाना बनाने के लिए जैतून तेल का प्रयोग करें। इसमें मौजूद फैट बेड एलडीएल कोलेस्ट्रोल को कम करने में सहायक होता है। जैतून के तेल में भी एन्टीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो अन्य कई बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

पर्याप्त नींद लें

खासतौर से 40 साल के ऊपर के व्यक्ति के लिए अच्छी नीद बहुत ज़रूरी है। पर्याप्त नीद ना लेने पर शरीर से स्ट्रेस हारमोन्स निकलते हैं, जो धमनियों को ब्लॉक कर देते हैं और जलन पैदा करते हैं।

फाइबर युक्त आहार लें

रिसर्च के आधार पर ये साबित हो चुका है कि आप जितना अधिक फाइबर खायेंगे, आपके हार्ट-अटैक के चांस उतने ही कम होंगे। अधिक से अधिक बीन्स, सूप और सलाद का प्रयोग करें। मीट की जगह शाकाहारी खाना सहायक होगा।

ब्रेकफास्ट में फ्रूट ज्यूस लें

सन्तरे के ज्यूस में फोलिक एसिड होता है जो हार्ट अटैक के खतरे को कम करता है। अंगूर के ज्यूस में फ्लेवोनोइड्स और रिजर्वेटोल होता है जो आर्टेरी ब्लॉक करने वाले क्लोट्स को कम करता है। ज्यादातर ज्यूस आपके लिए अच्छे हैं बस ध्यान रखिये कि वो शूगर फ्री हों।

रोज़ एक्सरसाइज करें

यदि आप रोजाना 20 मिनट तक व्यायाम करते हैं तो आपका हार्ट अटैक होने का खतरा एक-तिहाई तक घट जाता है। वॉल्क पर जाना, एरोबिक्स या डांस क्लासेज करना फायदेमंद होगा।

लहसुन का प्रयोग करें

अध्ययनो में पाया गया है कि लहसुन खाने से बी.पी. कम रहता है। ये कोलेस्ट्रोल को भी कम करता है और साथ ही ब्लड शूगर लेबल को भी नियंत्रण में रखता है। इससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बढती है।

राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सकारात्मक परिवर्तन देती है

भारत वैश्विक रूप से एक अकेला ऐसा देश है जिसमें नारी सम्मान को आध्यात्मिक, नैतिक, सामाजिक, शासकीय प्रशासकीय स्तर पर अति महत्व दिया जाता है। यहां नारी को नारायणी, मां दुर्गे, मां काली, मां जगदंबे स्तर पर पौराणिक कथाओं में सम्मान प्राप्त है ऐसा है हमारा भारत देश। हालांकि हमारे देश में नारियों को अनेक विशेषाधिकार प्राप्त है, परंतु फिर भी हम देखते हैं कि नारी अत्याचार प्रताड़ना, जुल्मों का वजन घटने की अपेक्षा समय - समय पर बढ़ने का आभास महसूस होता है। इसलिए मेरा मानना है कि इसका एक सटीक उपाय है, राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना। बात अगर हम वर्तमान समय की करें तो आने वाले नए साल में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव है जो कि एक सटीक समय है जिसमें महिला सशक्तिकरण का मंत्र अपनाया जा सकता है। यूं तो करीब-करीब हर क्षेत्र में महिलाओं को सशक्तिकरण का कार्य शुरू भी है परंतु विशेष ज़रूरत है महिलाओं को राजनीतिक रुप से सशक्तिकरण, पावरफुल बनाने की ताकि उनके सानिध्य में कुशल नेतृत्व को देश को करुणा, दया, और आशा जैसे महिला के विशेष गुणों का अतिरिक्त सकारात्मक लाभ प्राप्त हो। बात अगर हम भारत में महिलाओं को बड़े संवैधानिक पद देने की करें तो भारत ही एक ऐसा देश है जहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्रियों से लेकर गांव की पंचायत अध्यक्ष तक का पद महिला को प्राप्त हो चुका है। परंतु अब बात महिला भागीदारी बढ़ाने की हो रही है जो हर शासकीय, प्रशासकीय विभाग में और राजनीतिक क्षेत्र में भी पुरुषों के बराबर स्तर पर भागीदारी हो। बात अगर हम दिनांक 7 से 9 दिसंबर 2021 को राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम शी इज ए चेंज मेकर की करें तो, पीआईबी की विज्ञप्ति के अनुसार, जमीनी स्तर की महिला राजनीतिक नेताओं के नेतृत्व कौशल में सुधार करने के लिए, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने ग्राम पंचायतों से लेकर संसद सदस्यों और राष्ट्रीय/राज्य राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं सहित सभी स्तरों पर महिला प्रतिनिधियों के लिए एक अखिल भारतीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम 'शी इज ए चेंजमेकर' (वह एक नव प्रवर्तक) शुरू किया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम क्षेत्रवार प्रशिक्षण संस्थानों के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य महिला राजनीतिक नेताओं की क्षमता निर्माण करना और उनके निर्णय लेने और संवाद संबंधी कौशल, जिसमें भाषण, लेखन आदि शामिल हैं, में सुधार करना है। नगर निगम में महिलाओं के लिए तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन 7 से 9 दिसंबर तक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में, कहा गया कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है और आयोग उन्हें संसद पहुंचाने की यात्रा में उनकी मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मानना है कि इस कार्यक्रम से हर उस महिला को फायदा होगा जो राजनीति में अपनी पहचान बनाना चाहती है और उसे राजनीति में अपना सही स्थान दिलाने में मदद करेगी। 'शी इज ए चेंजमेकर' परियोजना उन महिलाओं के जीवन में एक नई शुरुआत का प्रतीक होगी जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए दृढ़ हैं। दिनांक 8 नवंबर 2021 को एक राजनीतिक पार्टी द्वारा ज़ारी महिला घोषणा पत्र, शक्ति विधान, की करें तो जिस तरह इसमें सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्तिकरण करने के करीब-करीब सभी गुण शामिल किए गए हैं ऐसा हर राजनीतिक दल को करने पर विचार मंथन करने का सटीक समय आ गया है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा टीवी पर घोषणापत्र के लाइवटेलीकास्ट के अनुसार बॉक्स में दिये गये वादे हैं जिसमें 15 घोषणाएं हैं।

50 प्रतिशत महिलाओं को रोज़गार देने वाले उद्यम को कर में छूट मिलेगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि महिला सशक्तिकरण करने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने से करुणा, दया और आशा जैसे गुणों को नेतृत्व में बल मिलेगा तथा महिला सशक्तिकरण को गति देने हर राजनीतिक दल को महिला घोषणा पत्र जारी करने का सटीक समय आ गया है।

महिला सशक्तिकरण

महिलाओं को राजनीतिक रुप से सशक्तिकरण, पावरफुल बनाने की ताकि उनके सानिध्य में कुशल नेतृत्व को देश को करुणा, दया, और आशा जैसे महिला के विशेष गुणों का अतिरिक्त सकारात्मक लाभ प्राप्त हो।

1. नई सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 40 फीसदी आरक्षण।
2. आशा बहुओं और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को न्यूनतम 10 हजार रुपए वेतन।
3. पुलिस विभाग में 25 प्रतिशत महिलाओं को नौकरी, हर थाने में महिला सिपाही की तैनाती।
4. सुरक्षा के विशेष अधिकार प्राप्त छह सदस्यीय आयोग का होगा गठन।
5. प्रदेश के 25 शहरों में अत्याधुनिक छात्रावास बनाए जाएंगे।
6. बीमारी के लिए 10 लाख रुपए तक की इलाज की व्यवस्था।
7. राज्यभर में वीरांगनाओं के नाम पर 75 दक्षता विद्यालय।
8. 12 वींपास छात्राओं को स्मार्टफोन व ग्रेजुएट छात्राओं को स्कूटी।
9. पुलिस थानों में 25 प्रतिशत इंचार्ज सुनिश्चित किये जाएंगे।
10. परिवार में पैदा होने वाली बेटी के लिए एफडी व सांविधिक जमा।
11. महिलाओं को सरकारी बसों में फ्री यात्रा की अनुमति।
12. मनरेगा में महिलाओं को प्राथमिकता देंगे।
13. हर जिले में मिलेगी तीन सदस्यीय मुफ्त कानूनी सहायता, सलाह के लिए कमेटी।
14. प्रदेश में नए प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोले जाएंगे।
15. सभी सीएचसी में महिलाओं के लिए अलग केंद्र खोले जाएंगे।

संकलनकर्ता लेखक- कर विशेषज्ञ, एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

लो-ब्लड प्रेशर से जूझने वालों में भी स्ट्रोक का ख़तरा, 30 हज़ार मरीजों पर हुई रिसर्च में किया गया दावा

ज्यादातर लोग जानते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर ही स्ट्रोक की बड़ी वजह बनता है, लेकिन हालिया रिसर्च में इसकी एक और वजह बताई गई है। नई रिसर्च कहती है, लो-ब्लड प्रेशर भी स्ट्रोक की वजह बनता है। यह दावा बॉस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ता डॉ. ह्यूगो जे एप्रिशियो ने अपनी रिसर्च में किया है। शोधकर्ता के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर से जूझने वाले 10 फीसदी मरीजों में स्ट्रोक का खतरा रहता है।

ऐसे हुई रिसर्च

लो-ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक के कनेक्शन को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने 30 हजार ऐसे बुजुर्गों पर अध्ययन किया जो इस्कीमिक स्ट्रोक से जूझ चुके थे। इनमें 18 महीने पहले स्ट्रोक का मामला आया था।

शोधकर्ताओं का कहना है, इनका हेल्थ डाटा बताता है कि जो मरीज स्मोकिंग करते थे, हृदय रोगी थे या डिमेंशिया या कैंसर से जूझ रहे थे, उनमें स्ट्रोक का खतरा और भी ज्यादा था। रिसर्च के आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ हाई ब्लड प्रेशर ही नहीं, लो ब्लड प्रेशर भी स्ट्रोक की वजह बन सकता है।

रिस्क फैक्टर्स को घटाने जरूरत

शोधकर्ताओं का कहना है, स्ट्रोक के खतरे से बचने के लिए लो-ब्लड प्रेशर पर नजर रखने के साथ इसके रिस्क फैक्टर्स से भी खुद को बचाने की जरूरत है। इसलिए स्मोकिंग से दूर रहें। ऐसी लाइफस्टाइल अपनाएं जो हृदय रोगों और कैंसर का खतरा कम करे।

ये बातें ध्यान रखें

- खाने में नमक की मात्रा सामान्य रखें। शरीर के ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने में नमक अहम भूमिका निभाता है।
- दिनभर में कम से कम 8 गिलास पानी या अन्य तरल (दूध, मट्ठा, जूस, लस्सी) से शरीर को हाइड्रेट रखें। स्ट्रेस लेने से बचें और सिगरेट, शराब या अन्य नशीली चीजों से दूरी बनाएं। अपने खाने में हरी सब्जियों और फलों को ज्यादा शामिल करें। हाई कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें खाने से बचें।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

08

जयपुर >> मंगलवार, 14 दिसम्बर, 2021

डेटॉल स्कूल हाइजीन एजुकेशन प्रोग्राम के तहत शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक

बच्चों में हाइजीन व स्वच्छता के प्रति जागरूकता हेतु टाबर सोसायटी के साथ साइन हुआ एमओयू

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। सोमवार को शिक्षा संकुल में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला अध्यक्षता में आयोजित बैठक में समग्र शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशक डॉ. भंवरलाल व रेकिट बेनकाइजर प्राइवेट लिमिटेड की प्रतिनिधि संस्था टाबर के प्रतिनिधि रमेश पालीवाल द्वारा स्कूल हाइजीन एजुकेशन प्रोग्राम के तहत एमओयू साइन किया गया।

शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने टाबर सोसाइटी और शिक्षा विभाग के बीच हुए एमओयू के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि कोविड 19 महामारी जैसी बीमारियों से बचने हेतु स्वच्छता जरूरी है। उन्होंने कहा कि डेटॉल स्कूल हाइजीन एजुकेशन प्रोग्राम के तहत प्रथम चरण में यह कार्यक्रम टाबर सोसाइटी द्वारा 5 करोड़ 50 लाख की लागत से 2400 राजकीय विद्यालयों में चलाया जाएगा जहां बच्चों को खेल व

अन्य रोचक गतिविधियों के माध्यम से सफाई का महत्व समझाया जायेगा व साथ ही शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। शैक्षणिक व सहशैक्षणिक गतिविधियों द्वारा बच्चों को स्वच्छता का अभ्यास करवाया जाएगा तथा स्वच्छता की कमी से होने वाले रोगों के प्रति बच्चों में जागरूकता लाई जाएगी। डॉ. कल्ला ने कहा कि स्वच्छ माहौल से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होगी तथा स्वच्छता की कमी से विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त होकर ड्रॉपआउट होने वाले बच्चों की संख्या में भी इस कार्यक्रम से कमी आएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य में इसका विस्तार प्रदेश के सभी क्षेत्रों में करने की कोशिश की जाएगी।

शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री पवन कुमार गोयल ने कहा कि टाबर सोसायटी के साथ विभाग के एमओयू का मुख्य उद्देश्य बच्चों में हाईजिन व स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना है। बच्चे किसी भी मैसेज को घर और समाज तक पहुंचाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम होते हैं। टाबर व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शुरू होने जा रहा यह एक इंटीग्रेटेड कार्यक्रम है जो पाठ्यक्रम व पाठ्येतर गतिविधियों द्वारा कोविड-19 व अन्य बीमारियों से बच्चों को बचाने व समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने में मील का पत्थर साबित होगा।

समग्र शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशक डॉ भंवर लाल ने कहा की कोविड-19 जनित परिस्थितियों में हाइजीन और सफाई का महत्व बढ़ गया है तथा वर्तमान परिस्थितियों में बच्चों की सुरक्षा सबसे आवश्यक है। अतरू टाबर सोसायटी का शिक्षा विभाग के साथ किया गया यह एमओयू महत्वपूर्ण है। समग्र शिक्षा की अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक डॉ.रश्मि शर्मा ने कहा कि बच्चों को स्वस्थ और प्रसन्न रखने के इस कार्यक्रम में टाबर सोसाइटी को विभाग का पूर्ण सहयोग रहेगा। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के सभी आला अधिकारी व टाबर सोसायटी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डायलिसिस रोगियों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरेगी रोटरी

गरीब रोगियों के लिए रोटरी इंटरनेशनल खोलेगा बीस बेड का निःशुल्क डायलिसिस केन्द्र

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। रोटरी इंटरनेशनल गरीब वर्ग के रोगियों की सेवार्थ जयपुर में बीस बिस्तरों का निःशुल्क डायलिसिस केन्द्र खोलने जा रहा है। यह केन्द्र जयपुरिया अस्पताल में खुलेगा। केन्द्र में रोटरी इंटरनेशनल की ओर से डायलिसिस संबंधी तमाम उपकरण उपलब्ध करवाएंगे। यह केन्द्र निःशुल्क रहेगा। डायलिसिस करवाने वाले निर्धन रोगियों से कोई राशि नहीं ली जाएगी। केन्द्र को स्थापित करने के लिए रोटरी के पदाधिकारी व सदस्य आपसी सहयोग से फण्ड जुटा रहे हैं। बड़ी राशि रोटरी सदस्यों ने अपने स्तर पर एकत्र की है।

क्लब चार्टर अध्यक्ष विशाल गुप्ता व क्लब अध्यक्ष 21-22 आशा मिश्रा के मुताबिक, समाज सेवा के लिए रोटरी इंटरनेशनल आरआईडी 3054 सदैव तत्पर रहता है। क्लब ने समाज के वंचित, गरीब वर्ग के रोगियों की निःशुल्क डायलिसिस करवाने का बीडा उठाया है। इसके लिए जयपुरिया अस्पताल में केन्द्र खोला जा रहा है। बीस बिस्तरों वाले डायलिसिस केन्द्र के लिए क्लब सदस्यों ने आपसी सहयोग से राशि एकत्र की है। इस आयोजन के लिए 18 व 19 दिसम्बर, 2021 को दिग्गज राज कपूर के नाम से एक पहल एक मुस्कान शो का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 24 घंटे नॉनस्टॉप लाइव म्यूजिकल मैराथन होगी। इसमें 140 संगीत कलाकार अल्बर्ट हॉल संग्रहालय के सामने 1440 मिनिट तक नॉन-स्टॉप 270 धुनों के साथ जयपुरवासियों का लाइव और मनोरंजक प्रदर्शन करेंगे। इस संगीतमय सुरमाला कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत करेंगे। कार्यक्रम के समापन समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

विशाल गुप्ता ने बताया कि रोगी के जीवन को बचाने के लिए यह केन्द्र खोला जा रहा है। रोटरी इंटरनेशनल के सदस्यों का मानना है कि कई व्यक्ति पैसे की कमी के चलते ईलाज नहीं करवा पाते हैं, जिससे वह उचित उपचार वंचित रहते हैं और उनकी मौत भी हो जाती है। ऐसे मरीजों की सेवा के लिए यह केन्द्र खोला जा रहा है, जहां किसी मरीज को पैसे की कमी से ईलाज से वंचित नहीं होना पड़ेगा और उसका निःशुल्क डायलिसिस हो सकेगा।

जयपुर में कोरोना कंटेनमेंट जोन बनाने की तैयारी

कलेक्टर ने 23 इंसीडेंट कमांडर लगाए; मेडिकल, पुलिस के साथ जरूरत के अनुसार बना सकेंगे कंटेनमेंट जोन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के 9 केस और एक दर्जन संदिग्ध मिलने के बाद जयपुर जिला प्रशासन ने कंटेनमेंट जोन बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। कलेक्टर अंतर सिंह नेहरा ने आदेश जारी करके पूरे शहर में 23 इंसीडेंट कमांडर नियुक्त कर दिए। इन्हें अपने-अपने क्षेत्र में जरूरत के अनुसार कंटेनमेंट जोन बनाने के अधिकार दिए हैं।

कलेक्टर अंतर सिंह ने बताया कि नए वैरिएंट के सभी मरीजों को आरयूएचएस में शिफ्ट किया गया है। ऐसे में उन लोगों के घरों के बाहर कंटेनमेंट जोन बनाने की जरूरत नहीं है। अब चूंकि केस बढ़ने लगे हैं तो ज्यादा सावधानी की जरूरत है, इसलिए टीमें बनाई है। इसमें इंसीडेंट कमांडर के साथ मेडिकल हैल्थ, स्थानीय पीएचसी इंचार्ज और पुलिस के जवान मौजूद रहेंगे। ये टीम जरूरत के अनुसार कंटेनमेंट जोन बना सकेगी।

कुछ दिन पहले डूंगरपुर जिले के गलियाकोट में एक महिला के पॉजिटिव मिलने के बाद कलेक्टर ने उस घर के आसपास कंटेनमेंट जोन बनाते हुए उसे जीरो मोबिलिटी एरिया घोषित कर दिया था। इसके बाद नागौर में भी एक जगह कलेक्टर ने संक्रमित केस मिलने के बाद जीरो मोबिलिटी एरिया घोषित किया था।

बीट कॉन्स्टेबल रखेंगे निगरानी: कलेक्टर ने बताया कि जिस जगह कंटेनमेंट जोन बनाया जाएगा, उस जगह संबंधित थाने का बीट कॉन्स्टेबल निगरानी रखेगा। ये कॉन्स्टेबल सुबह-शाम इस बात को सुनिश्चित करेगा कि क्या वहां संक्रमित व्यक्ति पूरी तरह कंटेनमेंट जोन की पालना कर रहे हैं या नहीं?

हर इंसीडेंट कमांडर पर एक से 3 थाना क्षेत्रों की जिम्मेदारी: जयपुर शहरी सीमा में जो इंसीडेंट कमांडर लगाए गए हैं, उसको एक से लेकर 3 थाना क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। ये कमांडर कंटेनमेंट जोन बनाने के अलावा कोविड एसओपी की पालना करवाने की भी कार्रवाई करेंगे। मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग की पालना के लिए अभियान चलाएंगे।

पंचायत चुनाव-2021: कानून व्यवस्था को लेकर गृह और पुलिस अधिकारियों के साथ चुनाव आयुक्त ने की बैठक

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। प्रदेश के 4 जिलों में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए होने वाले चुनाव स्वतंत्र-निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए बुधवार को राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त श्री पीएस मेहरा ने गृह और पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

सचिवालय स्थित आयुक्त के कक्ष में हुई बैठक में पंचायत चुनाव-2021 के दौरान आम चुनाव में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने एवं मतदान एवं मतगणना कार्य के लिए पुलिस बल के नियोजन के लिए विभाग द्वारा तैयार की गई कार्य योजना पर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया।

आयुक्त ने गृह विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनाव प्रचार के दौरान कोविड गाइडलाइन की कड़ाई से पालना करवाई जाए। उन्होंने कहा कि मतदान के लिए नियोजित सभी अधिकारी-कर्मचारी मास्क लगाएं व सोशल डिस्टेंसिंग की पालना स्वयं भी करें और लोगों को करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने गृह विभाग

को मतदान के दौरान पर्याप्त संख्या में होमगार्ड्स उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

आयुक्त ने कहा कि आयोग स्वतंत्र-निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन प्रदेश में होने वाले पंचायत आम चुनाव के लिए ?सा सकारात्मक और निर्भय होकर माहौल बनाए कि प्रत्येक नागरिक निर्भय होकर मतदान कर सके। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और गृह विभाग से आए अधिकारियों ने आयोग को आश्वस्त करते हुए कहा कि पंचायत चुनाव में पुलिस व कानून एवं व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद रहेगी और चुनाव सुरक्षित एवं शांतिपूर्वक तरीके से सम्पन्न करवा लिए जाएंगे।

इस अवसर पर महानिरीक्षक पुलिस कानून एवं व्यवस्था श्री विपिन पांडेय, उप महानिरीक्षक, गृह विभाग के सचिव श्री सुरेश गुप्ता, आयोग की सचिव श्रीमती चित्रा गुप्ता, उप सचिव श्री अशोक जैन सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

181 पर कॉल कर घर बैठे लगवा सकेंगे वैक्सीनः शर्त-कम से कम 10 लोगों को टीका लगवाना होगा, तभी आएगी टीम

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में धीमे पड़े वैक्सीनेशन प्रोग्राम को स्पीड देने के लिए सरकार ने ऑन कॉल वैक्सीनेशन स्कीम शुरू की है। इसके लिए व्यक्ति को 181 नंबर पर कॉल करना होगा। जिसके बाद मेडिकल टीम घर आकर वैक्सीनेशन करेगी। हालांकि टीम घर तभी आएगी, जब कम से कम 10 लोगों को टीका लगाना होगा।

मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट में प्रोजेक्ट डायरेक्टर (वैक्सीनेशन) डॉ. रघुराज सिंह ने बताया कि डोर टू डोर वैक्सीनेशन स्कीम के तहत अब ऑन कॉल वैक्सीनेशन भी किया जा रहा है। हर घर दस्तक के तहत नवंबर तक 21 लाख से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन किया गया था। हमने ऑन कॉल वैक्सीनेशन भी शुरू किया

है। इसमें कम से कम 10 लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी। ताकि एक वॉयल खुले तो उसमें एक भी डोज खराब न जाए। यह व्यवस्था केवल 31 दिसंबर तक लागू होगी।

त्यौहार के कारण धीमा पड़ा वैक्सीनेशन: राजस्थान में अक्टूबर और नवंबर में वैक्सीनेशन बहुत कम हुआ। नवंबर में रोज औसतन 1.90 लाख लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। जबकि अक्टूबर में यह संख्या 2.13 लाख व्यक्ति प्रतिदिन थी। अधिकारियों की मानें तो अक्टूबर, नवंबर में त्योहारी सीजन होने के कारण लोग वैक्सीन लगवाने कम पहुंचे। नवंबर के आखिरी सप्ताह में दक्षिण अफ्रीका का नया वैरिएंट आने और जयपुर में इसके केस मिलने के बाद रेशो बढ़ने लगा और वैक्सीनेशन की स्पीड फिर तेज होने लगी है।

15 लाख डोज लगाने की क्षमता: राजस्थान में मौजूदा हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्टाफ की तैनाती के हिसाब से हर रोज 15 लाख लोगों को वैक्सीनेट करने की क्षमता है। लोगों के सेंटर पर नहीं पहुंचने के कारण वैक्सीन बहुत कम लग रही है। इसे देखते हुए सरकार ने वैक्सीनेशन की यह सुविधा शुरू की है।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस : मुख्यमंत्री सैनिकों के कल्याण के लिए अंशदान किया

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जांबाज सैनिकों तथा उनके परिजनों के कल्याण के लिए यथासंभव सहयोग करने का आह्वान किया है। गहलोत से मुख्यमंत्री निवास पर सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक एवं ब्रिगेडियर (सेनि.) श्री वी.एस. राठौड ने मुलाकात की और उन्हें प्रतीकात्मक झण्डा (बैज) लगाया। मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से सैनिकों एवं उनके परिवारजनों के लिए अंशदान किया।

गहलोत ने कहा कि यह दिवस देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले हमारे बहादुर सैनिकों तथा शहीदों के परिजनों के प्रति सदैव सम्मान का भाव रखने का सुअवसर प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री निवास पर उपस्थित राज्य मंत्रीरिषद् के अन्य सदस्यों तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री अजय माकन ने भी इस अवसर पर सैनिकों एवं उनके परिवारजनों के लिए अंशदान किया।

रॉयल वेडिंग हब बन रहा है राजस्थान

विक्की कौशल व कैटरीना कैफ की बरवाडा फोर्ट सवाई माधोपुर में शाही शादी के बाद राजस्थान के किले-महलों में रॉयल वेडिंग की डिमांड बढ़ी

जयपुर। राजस्थान रॉयल वेडिंग का हब बनने लगा है। देश ही नहीं विदेश की बिजनेस फैमिली राजस्थान के किले-महलों में शाही शादी करवाने लगी है। शादी के लिए अभिनेता-अभिनेत्रियों की पसंदीदा स्थल राजस्थान के शाही किले-महल है। हाल ही सवाई माधोपुर के बरवाडा फोर्ट में मशहूर फिल्म अभिनेत्री कैटरीना कैफ और अभिनेता विक्की कौशल की शाही शादी हुई है। यह शादी देश-दुनिया के मीडिया व सोशल मीडिया में खूब चर्चित रही। कई अभिनेता-अभिनेत्री शादी में शरीक हुए। इस शादी के बाद राजस्थान में रॉयल वेडिंग की डिमांड बढ़ी है। मलमास के बाद जनवरी में फिर से सावे शुरु होंगे। हालांकि इससे पहले किले-महलों, फाइव स्टार होटलों में रॉयल वेडिंग को लेकर काफी सर्च हो रही है।

शादी मैनेजमेंट से जुड़े व्यवसासियों का कहना है कि आने वाले महीनों में करीब एक हजार से अधिक शाही शादी जयपुर, उदयपुर, जोधपुर समेत अन्य शहरों में होगी। शाही शादी से कोरोना की वजह से मंदी की मार झेल रही होटल इंडस्ट्री, टैंट इंडस्ट्री में बूम आएगा। होटलों को भी पर्यटक मिल सकेंगे। रॉयल वेडिंग से दस हजार करोड़ रुपये का बिजनेस मिलने की संभावना है। वहीं दूसरे व्यवसायों को भी फायदा होगा। आगामी शादी सीजन के लिए पहले से ही होटल-रिसोर्ट बुक है। बताया जाता है कि एक रॉयल शादी में बीस से पच्चीस करोड लगते हैं। रॉयल वेडिंग से टूरिज्म को भी प्रमोशन मिलता है।

राजस्थान हॉस्पिटल के सीनियर जॉइट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. एसएस सोनी ने बताया

बुढ़ापे की सीमितताओं को कहीं अधिक बढ़ा देता है हिप जॉइंट फ्रेक्चर

अतिरिक्त सावधानी की आवश्यकता, बुढ़ापे में सबसे गंभीर चोट होती है कूल्हे के जोड़ में फ्रेक्चर

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। हमारे उठने-बैठने से लेकर चलने-फिरने तक की छोटी से छोटी गतिविधियों में भी कूल्हे के जोड़ काम आते हैं। यह जोड़ हमारे शरीर का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण जोड़ है। समय के साथ जब शरीर की सीमितताएं बढ़ने लगती हैं तो उसका प्रभाव कूल्हों पर भी पड़ता है। हमारे शरीर की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और चोट लगने की स्थिति में कूल्हे के जोड़ में फ्रैक्चर भी हो जाता है

जो बुजुर्गो के लिए गंभीर हो जाता है। अधिक उम्र में कूल्हे का फ्रैक्चर बहुत ज्यादा होता है। इस चोट से न केवल मरीज को असहनीय दर्द होता है बल्कि मरीज में कमजोरी भी आती है।

हड्डियों में कमजोरी आने पर होता है फ्रैक्चर: राजस्थान हॉस्पिटल के सीनियर जॉइट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. एसएस सोनी ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ ही कूल्हे की हड्डी टूटना बहुत सामान्य बात हो जाती है क्योंकि जैसे-जैसे लोग बूढ़े होते जाते हैं तो उनके गिरने की संभावना बढ़ जाती है और हड्डियों का घनत्व भी कम होता है। इसे ऑस्टियोपोरोसिस की शिकायत भी माना जा सकता है। कूल्हे का जोड़ गेंद और सॉकेट का जोड़ होता है जो शरीर की गतिविधि में काम आते है। जब जांघ की हड्डी या फीमर के ऊपरी छोर में फ्रैक्चर होता है तो उसे ही कूल्हे की हड्डी टूटना कहते हैं।

सामान्य गतिविधियों में भी हो जाते हैं असमर्थः कूल्हे की हड्डी टूटने से आपके सामान्य जीवन में भी काफी परिवर्तन आता है। डॉ. सोनी ने बताया कि हड्डी टूटने से उबरने के दौरान पैदा होने वाली अनेक संभावित जटिलताएं भी हो सकती हैं। इस दौरान मरीज को न्यूमोनिया, दबाव से होने वाला घाव, पैरों में खून का थक्का जमना जो फेफड़ों या दिमाग तक भी पहुंच सकता है, जो मरीज को मुश्किल में डाल सकती है।

रिप्लेसमेंट सर्जरी से होता है उपचार : डॉ. एसएस सोनी ने बताया कि बुढ़ापे में अगर कूल्हे की हड्डी में फ्रैक्चर होता है तो रोगी के जांघ के ऊपरी हिस्से में दर्द हाता है। यदि ऑस्टियोपोरोसिस के कारण हड्डी कमजोर हो गई है तो टूटने से पहले रोगी के जांघ वाले हिस्से में लंबे समय तक दर्द रह सकता है। यदि हड्डी पूरी तरह से टूट गई है तो प्रभावित पैर दूसरे पैर के मुकाबले छोटा दिखता है और पैर हिलाने में भी तेज दर्द होता है। फ्रैक्चर की सही स्थिति जानने के लिए एक्सरे, सीटी स्कैन या एमआरआई जैसी जांचे करवाई जाती हैं। उपचार के लिए जोड़ प्रत्यारोपण या इंटरनल फिक्सेशन किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**